25 नवंबर 2025

मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पुराना भोजपुर में जाम से ढाई घंटे ठप रहा परिचालन एम्बुलेंस और स्कूली बच्चे फंसे, पुलिस नदारद

2

जस्टिस सूर्यकांत बने देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी/नई दिल्ली

जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ लिया। वह जस्टिस बीआर गवई की जगह लेंगे। जस्टिस सूर्यकांत जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने, बिहार मतदाता सूची समीक्षा व पेगासस स्पाइवेयर केस जैसे कई अहम फैसलों का हिस्सा रहे हैं। वह 9 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। बतौर सीजेआई उनका कार्यकाल करीब 15 माह का होगा।निवर्तमान सीजेआई जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि वह सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। उन्होंने जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव किया। निवर्तमान सीजेआई ने अपने कार्यकाल के दौरान किसी महिला जज की नियुक्ति न करने पर अफसोस जताया। अपने कार्यकाल के आखिरी दिन, निवर्तमान सीजेआई जस्टिस गवई ने लगभग सभी जरूरी मुद्दों पर बात की। जिसमें जूता फेंकने की घटना, न्यायपालिका में लंबित मामले, राष्ट्रपति संदर्भ पर उनके फैसले की आलोचना, अनुसूचित जातियों में क्रीमी लेयर को आरक्षण के फायदों से बाहर रखने जैसे विषय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कार्यभार संभालने के साथ ही साफ कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक काम नहीं लूंगा। अगले 9-10 दिनों के लिए आराम का वक्त, उसके बाद, एक नई पारी। यहां अपने सरकारी आवास पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने कॉलेजियम प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने में मदद करती है। उन्होंने स्वीकार किया कि कोई भी व्यवस्था परिपूर्ण नहीं होती। इस बात की आलोचना होती है कि न्यायाधीश स्वयं अपनी नियुक्ति करते हैं। लेकिन इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है। हम खुफिया ब्यूरो की रिपोर्ट और कार्यपालिका के विचारों पर भी गौर करते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय कॉलेजियम का ही होता है। जूता फेंकने को लेकर जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने ऐसा करने वाले वकील को माफ क्यों किया, तो निवर्तमान सीजेआई ने कहा, मुझे लगता है कि यह फैसला मैंने अपने आप लिया था, शायद बचपन में बनी सोच की वजह से।

अनुच्छेद 370 पर फैसला

जस्टिस सूर्यकांत उस ऐतिहासिक पीठ का हिस्सा थे जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले को बरकरार रखा था, जिसने जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छीन लिया था। यह फैसला हाल के समय के सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों में से एक है। जस्टिस सूर्यकांत उस पीठ में भी शामिल थे जिसने औपनिवेशिक काल के राजद्रोह कानून को प्रभावी रूप से निलंबित कर दिया था और राज्यों और केंद्र को निर्देश दिया था कि जब तक सरकार इस प्रावधान पर पुनर्विचार पूरा नहीं कर लेती, तब तक वे धारा 124ए के तहत नई एफआईआर दर्ज न करें।

कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई : पार्टी के 7 नेताओं को 6 साल के लिए किया निष्कासित

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस ने अपने 7 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के चलते इन सातों को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस के इस एक्शन से पार्टी नेताओं के बीच हड़कंप मचा हुआ है। किन 7 नेताओं पर यह कार्रवाई की गयी है, नीचे देखिये लिस्ट.. कांग्रेस पार्टी के मूल सिद्धांतों, अनुशासन और संगठनात्मक मयार्दा के प्रति शिथिल रवैया अपनाने तथा पार्टी-प्लेटफॉर्म के बाहर लगातार अवांछित व भ्रामक बयान जारी करने के आरोप में प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने सात नेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें छह वर्ष के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित नेताओं से प्राप्त स्पष्टीकरण समिति को संतोषजनक नहीं लगा। उनके कार्य पार्टी अनुशासन उल्लंघन के पाँच मानकों में से तीन के अंतर्गत स्पष्ट रूप से आते हैं। समिति ने उल्लेख किया कि नेताओं ने कांग्रेस के कार्यक्रमों और निर्णयों के विरुद्ध लगातार पार्टी मंचों से बाहर बयान दिए। सक्षम अधिकारियों के निर्देशों की जानबूझकर अवहेलना की। प्रिंट और सोशल मीडिया में टिकट खरीद फरोख्त जैसे निराधार और भ्रामक आरोप लगाकर पार्टी की प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुँचाई।

इन्हें किया गया निस्कासित

1. आदित्य पासवान – पूर्व उपाध्यक्ष, कांग्रेस सेवा दल
2. शकीलुर रहमान – पूर्व उपाध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस
3. राज कुमार शर्मा – पूर्व अध्यक्ष, किसान कांग्रेस
4. राज कुमार राजन – पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश युवा कांग्रेस
5. कुंदन गुप्ता – पूर्व अध्यक्ष, अति पिछड़ा विभाग
6. श्रीमती कंचना कुमारी – अध्यक्ष, बांका जिला कांग्रेस कमिटी
7. रवि गोल्डेन – नालंदा जिला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों का लिया जायजा

पीएम मोदी करेंगे अयोध्या के राम मंदिर में दूसरी प्राण प्रतिष्ठा

■ ध्वजारोहण के बाद प्रधानमंत्री पूजा-अर्चना में शामिल होंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

अयोध्या एक बार फिर से ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण का गवाह बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम जन्मभूमि मंदिर में एक खास ध्वजारोहण समारोह के लिए आने वाले हैं। पूरे शहर में तैयारियां जोरों पर हैं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टर कई जगहों पर लगाए गए हैं, जिससे उत्साह और बढ़ गया है। वहीं, इस आयोजन को लेकर भक्तों पर जहां धार्मिक रंग छाया हुआ है , तो वहीं सियासी जगत में इसकी चर्चा जोरों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लोगों ने इसे दूसरी प्राण प्रतिष्ठा बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में ध्वजारोहण करेंगे। यह आयोजन दूसरी प्राण प्रतिष्ठा के रूप में देखा जा रहा है। मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस विशेष अनुष्ठान में वैदिक आचार्य शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों का जायजा लिया। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने जब 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी, उस समय राम मंदिर का पूरा निर्माण नहीं हुआ था। इस प्राण प्रतिष्ठा को कई साधुओं और पुजारियों ने अधूरा बताया था। लेकिन जून 2025 में राम दरबार की स्थापना की गई ह जिसमें राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की प्रतिमा रखी गई। अब पूरी तरह से मंदिर तैयार हो गया है। ऐसे में इसे दूसरी प्राण प्रतिष्ठा माना जा रहा है। एक बार फिर संतों, गणमान्य लोगों और ट्रस्ट के सदस्यों की मौजूदगी में रस्मों का नेतृत्व करेंगे। ट्रस्ट को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए लगभग 6,000 बुलाए गए मेहमानों की उम्मीद है। इस बीच, अयोध्या भर के दुकानदारों, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों, खाने की जगहों और होमस्टे ने बढ़ती मांग की रिपोर्ट दी है और इसे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से सबसे व्यस्त समय में से एक बताया है।

इस साल का उत्सव खास तौर पर बड़ा होगा

मंदिर अधिकारियों ने घोषणा की है कि इस साल का उत्सव खास तौर पर बड़ा होगा। भगवान महादेव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, मां भगवती, मां अन्नपूर्णा और शेषावतार को समर्पित सहायक मंदिरों को मुख्य मंदिर के साथ बड़े पैमाने पर सजाया जाएगा। काशी के जाने-माने विद्वान गणेश्वर शास्त्री के गाइडेंस में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत के 108 आचार्यों द्वारा रस्में निभाई जाएंगी। समारोह के दौरान सूर्य के निशान वाला भगवा झंडा फहराया जाएगा, जो अनंत ऊर्जा, दिव्य चमक, गुण और ज्ञान को दिखाता है, ये सभी भगवान राम से जुड़े गुण हैं।

विशेष मुहूर्त में होगा ध्वजारोहण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को अयोध्या में सुबह 11रू52 से दोपहर 12रू35 बजे के शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण करेंगे। इस दौरान चार मिनट का अभिजीत मुहूर्त भी होगा। ध्वजारोहण के बाद प्रधानमंत्री पूजा-अर्चना में शामिल होंगे और विशिष्ट अतिथियों को संबोधित भी करेंगे। सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अनुष्ठान को अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत के वैदिक आचार्य संपन्न कराएंगे।

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन

एजेंसी/ मुंबई

बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उम्र संबंधी बीमारियों के चलते धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती रहे। इसके बाद घर पर उनका इलाज चल रहा था। लेकिन अब उनके निधन की खबर सामने आई है। प्रोड्यूसर करण जौहर ने सोशल मीडिया पोस्ट करके दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की जानकारी दी। धर्मेंद्र के निधन के बाद करण जौहर ने दिग्गज अभिनेता को श्रद्धांजलि दी। जिसमें वह लिखते हैं,

एक युग का अंत हो गया। धर्मेंद्र के घर के बाहर भी कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को देखा गया। इसमें अमिताभ बच्चन से लेकर देओल परिवार नजर आया। 8 दिसंबर 1935 को जन्मे धर्मेंद्र कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला। इसके बाद उनका इलाज घर पर ही किया जाने लगा। लेकिन वक्त के साथ तबीयत नहीं सुधरी और आज सोमवार यानी 24 नवंबर 2025 को धर्मेंद्र का निधन हो गया।

तमिलनाडु के तेनकासी में दो बसों की टक्कर, 6 की मौत-28 घायल

एजेंसी/तेनकासी

तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सुबह एक भयानवक सड़क हादसे ने कई परिवारों को मातम में डुबो दिया। कडैयानल्लुर इलाके के पास इडाइकल कामराजपुरम में दो निजी बसों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 28 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में पांच महिलाएं शामिल हैं, और घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। शुरूआती जांच में हादसे की जिम्मेदारी मदुरै से सेनकोट्टई जा रही कीसर बस के चालक पर डाली गई है, जिसकी तेज रफ्तार और लापरवाही ने इस त्रासदी को जन्म दिया। स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग ने तुरंत बचाव अभियान चलाया, लेकिन टक्कर इतनी भयावह थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा चूर-चूर हो गया। सुबह करीब 10 बजे तेनकासी-मदुरै हाईवे पर सामान्य ट्रैफिक चल रहा था। एक तरफ मदुरै से सेनकोट्टई जा रही कीसर प्राइवेट बस थी, जिसमें करीब 40 यात्री सवार थे। दूसरी ओर तेनकासी से कोविलपट्टी की ओर बढ़ रही एक अन्य निजी बस में भी उतनी ही भीड़ थी। अचानक, कीसर बस ने ओवरटेकिंग के चक्कर में अपनी लेन छोड़ दी और सामने आ रही बस से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर का असर इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहनों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया - शीशे चटक गए, धातु के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। स्थानीय लोग और राहगीरों ने फौरन मदद की कोशिश की, लेकिन हालात इतने खराब थे कि 20 से ज्यादा एम्बुलेंस बुलानी पड़ीं। तेनकासी सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल में घायलों को भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि कईयों को सिर, छाती और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। मृतकों की पहचान अभी पूरी नहीं हो सकी है, लेकिन ज्यादातर स्थानीय निवासी और तीर्थयात्री बताए जा रहे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बसें इतनी तेज थीं कि रुकना नामुमकिन था। धुआं और चीखें सुनकर कलेजा कांप गया।

आरोपों पर कार्रवाई करते हुए सात अधिकारियों को नोटिस

राजस्थान में जल जीवन मिशन में 125 करोड़ का कथित घोटाला

एजेंसी/जयपुर

राजस्थान में जल जीवन मिशन से जुड़े कथित 125 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार को लेकर राजनीति गरमा गई है। भाजपा प्रदेश महामंत्री और खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारियों ने ह्यगहलोत की शह पर भ्रष्टाचार कियाह्न। उन्होंने दावा किया कि मामले में एक मंत्री पहले ही जेल में है और ह्यबहुत जल्द इसकी आंच पूर्व मुख्यमंत्री तक भी पहुंच सकती है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन में

अनियमितताओं और लापरवाही के आरोपों पर कार्रवाई करते हुए सात अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। राजस्थान सिविल सेवा नियम -16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। आरोप पत्र और संबंधित दस्तावेज अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। नोटिस पाने वाले अधिकारियों में अधिशाषी अभियंता हरज्ञान लाल मीना, तत्कालीन सहायक अभियंता सरजन सिंह मीना, गीताराम मीना, विकास कुमार मीना, कनिष्ठ अभियंता कन्हैया लाल बैरवा, राजेश चन्द मीना, खण्डीय लेखाकार हरिमोहन मीना और खण्डीय लेखाधिकारी-प्रथम मुकेश कुमार मीना शामिल हैं।

गोठवाल की लगातार उठाई गई पहल का असर

विधायक जितेंद्र गोठवाल ने विधानसभा में प्रश्नों के जरिए और विधायक दल की बैठकों में इस मामले को बार-बार उठाया था। इसके बाद जलदाय मंत्री कनहैया लाल चैधरी ने कमेटी गठित कर जांच शुरू करवाई, जिसके परिणामस्वरूप यह कार्रवाई सामने आई है। खंडार क्षेत्र लंबे समय से जल संकट से जूझ रहा था। विभाग का कहना है कि मामलों की जांच के साथ-साथ क्षेत्र में जलापूर्ति सुचारू करने की तैयारियां भी तेजी से हो रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

शादी में अनोखा उपहार : दुल्हन को मिला पौधा, पर्यावरण संरक्षण का अनोखा संदेश

- **आसा पर्यावरण सुरक्षा टीम की पहल से विवाह समारोह बना हरित संकल्प का मंच, परिजनों और मेहमानों में हुई सराहना**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के दलसागर स्थित एक मैरेज हॉल में आयोजित शादी समारोह इस बार कुछ अलग रंग में रंगा दिखा। पारंपरिक उपहारों और भेंटों के बीच दुल्हन को पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया, जो पूरे समारोह का सबसे आकर्षक और चर्चा का विषय बन गया। यह पहल ह्यआसा पर्यावरण सुरक्षाह्ल की टीम द्वारा की गई, जिसने विवाह जैसे शुभ अवसर को प्रकृति से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास किया। नगर के मित्र लोक कॉलोनी पांडेय पट्टी निवासी बबन प्रसाद सिंह की पुत्री सोनाली सिंह के विवाह में आसा पर्यावरण सुरक्षा के सदस्यों ने दुल्हन को एक पौधा भेंट किया और उन्हें पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प दिलाया। इस अनोखी पहल से प्रभावित होकर वधू पक्ष के रिश्तेदार तथा पूर्व बीडीओ एवं बिपार्ड के सहायक निदेशक अजय कुमार सिंह ने भी दुल्हन को एक पौधा भेंट कर इस मुहिम को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते दुष्प्रभावों से बचने के लिए पौधारोपण को उत्सव और संस्कारों का हिस्सा बनाना अब समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम कंक्रीट की दीवारें तो तेजी से खड़ी कर रहे हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि हमें जीवित रहने के लिए शुद्ध वायु की जरूरत है। पौधारोपण हमारी धरती की सुरक्षा के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। दुल्हन के सौभाग्य से शुरू हुई यह हरित पहल मेहमानों के बीच भी चर्चा का विषय बन गई। सभी लोगों ने इसे एक अनूठा और प्रेरक कदम बताया। इसी दौरान बरात पटना के दानापुर खगौल निवासी स्व. जनार्दन सिंह के पुत्र निर्भय सिंह के साथ सोनाली का

शुभ विवाह रविवार को संपन्न हुआ। शादी समारोह में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण के प्रति इस जागरूकता की सराहना करते हुए इसे ह्यग्रीन वेडिंगह्ल की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। आसा पर्यावरण सुरक्षा के राज्य संयोजक विपिन कुमार ने कहा कि हमारे जीवन के हर संस्कार में पौधारोपण को शामिल करना अत्यंत आवश्यक है। जब तक हम प्रकृति के साथ तालमेल नहीं बिठाएंगे, तब तक पर्यावरण संकट से नहीं बच सकते। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि वे अपने घर, खेत, आंगन और किसी भी विशेष अवसर पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं, ताकि बढ़ते प्रदूषण और बदलते मौसम से संघर्ष किया जा सके। मौके पर आईटी सहायक रोहित कुमार, पूर्व मुखिया मकरध्वज सिंह ह्यविद्रोहीह्ल, संजय कुमार, डॉ. सुरेंद्र सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह, चन्द्र विजय कुमार, पत्रकार आलोक कुमार, पंकज कमल, अनिल कुमार, टोडरमल प्रसाद, शिक्षक ओमप्रकाश सिंह, अखिलेश राय, नागेंद्र राय, सत्येंद्र सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शादी का यह छोटा-सा लेकिन महत्वपूर्ण ह्यहरित उपहारह्ल सभी के लिए प्रेरणा बन गया और यह संदेश दे गया कि अगर हर परिवार ऐसे एक कदम उठाए तो समाज और पर्यावरण दोनों के लिए बड़ा बदलाव आ सकता है।

पुराना भोजपुर में जाम से ढाई घंटे ठप रहा परिचालन एम्बुलेंस और स्कूली बच्चे फंसे, पुलिस नदारद

- **सिर्फ लग्न की भीड़ नहीं, बल्कि सिस्टम की सुस्ती बनी जाम का कारण**
- **पिछले कुछ दिनों से पुराना भोजपुर चौक से बाजार तक जाम के कारण ठहर जा रही है वाहनों की रफ्तार, बढ़ा आक्रोश**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पुराना भोजपुर चौक पर सोमवार दोपहर जो तस्वीर उभरकर सामने आई, उसने शहर की व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। लग्न का मौसम था, भीड़ तय थी, ट्रैफिक दबाव अनुमानित था, फिर भी शहर प्रशासन ने मानो आंखों पर पट्टी बांधकर दिन गुजारने की ठान ली थी। दोपहर ठीक 12 बजे पूरे इलाके में ऐसा जाम लगा कि वाहनों की रफ्तार ढाई घंटे तक थम गई। सड़कें वाहनों से पटी रहीं, लोग घंटों सड़क पर फंसे रहे और प्रशासन कहीं दूर आराम फरमाता हुआ नजर आया।

स्कूली वाहनों में बंद बच्चे, भूख-प्यास से परेशान

इस जाम की सबसे दर्दनाक तस्वीर स्कूली बच्चों की थी। दर्जनों स्कूल वैन और ऑटो उसी जाम के बीच घंटों अटके रहे। छोटे-छोटे बच्चे भूखे-प्यासे अधीर होकर धीरे-धीरे रोने लगे, लेकिन निकलने का कोई रास्ता नहीं था। अभिभावक लगातार फोन पर अपने बच्चों का हाल लेते रहे, मगर ड्राइवरों का जवाब एक ही कि जाम में फंसे हैं, हिल भी नहीं पा रहे। शहर में ट्रैफिक की ऐसी स्थिति पहले भी कई बार देखी गई है, लेकिन इस बार हालात नए स्तर पर शर्मनाक हो गए। स्कूलों की छुट्टी के बाद भूखे-प्यासे बच्चे घर जाने की जल्दबाजी में थे। इधर, महिलाएं तथा अन्य यात्री परेशान थे, बावजूद ट्रैफिक नियंत्रण के नाम पर शून्य व्यवस्था।

एम्बुलेंस भी थमी, डायल-112 खुद मुसीबत में

सबसे चौंकाने वाला दृश्य तब सामने आया जब एक एम्बुलेंस जाम में फंसकर घंटों वहीं पड़ी रही। मरीज की स्थिति क्या थी, वह पहुंचा या नहीं, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं। लेकिन यह साफ है कि प्रशासन की लापरवाही ने स्वास्थ्य सेवा तक को ठप कर दिया। और तो और, डायल-112 की इमरजेंसी गाड़ी, जो आमतौर पर भीड़ हटाने में सबसे आगे रहती है, खुद जाम के बीच मदद की मोहताज बन गई थी। यह दृश्य प्रशासन की विफलता का जीवंत प्रमाण था।

नया भोजपुर पुलिस की धीमी चाल पर उठे सवाल

इस पूरे प्रकरण में सबसे ज्यादा आलोचना नया भोजपुर थाने की पुलिस की हो रही है। लोग बताते हैं कि जाम 12 बजे से लगा हुआ था, पर पुलिस तब पहुंची जब ढाई घंटे बीत चुके थे और लोग लगभग टूट चुके थे। जैसे ही पुलिस पहुंची, कुछ ही मिनटों में जाम खुल गया। यह देखकर लोग और भी आक्रोशित हो उठे। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस समय पर पहुंचती तो लोगों को इस भीषण जाम का सामना ही नहीं करना पड़ता। सवाल यही कि ढाई घंटे तक पुलिस की ड्यूटी आखिर रुकी कहां थी। क्या प्रशासन को लग्न के दिनों का ट्रैफिक बढ़ने का अंदाजा नहीं होता। क्या भीड़ प्रबंधन की कोई योजना पहले से नहीं बनाई गई थी। क्या क्षेत्र का ट्रैफिक सिस्टम सिर्फ किस्मत के भरोसे चलता है।

स्थानीय लोग खुद बने ट्रैफिक कॉन्स्टेबल

जाम में फंसे लोगों की मानें तो प्रशासन के इंतजार में खड़े रहना बेकार था। स्थानीय युवाओं ने खुद सड़क पर उतरकर वाहनों को निकलवाने की कोशिश की। कई जगहों पर लोगों ने हाथ देकर ट्रैफिक को डायरेक्ट किया, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि व्यवस्था टूटती चली गई। लोगों ने कहा कि जब भी पुराना भोजपुर चौक पर जाम लगता है, प्रशासन बाद में आता है और दावा करता है कि स्थिति नियंत्रण में है। परंतु असल तस्वीर कुछ और ही बयां करती है। नियंत्रण देर से आता है, और नुकसान पहले हो जाता है।

एक नजर

दूसरे दिन भी नहीं हो सकी रेलवे टैक के किनारे मिले शव की शिनाख्त

डुमरांव। स्थानीय रेलखंड के पुराना भोजपुर गांव के समीप पोल संख्या 647/10 के समीप डाउन ट्रैक के चाट में मिले 40 वर्षीय युवक के शव की शिनाख्त दूसरे दिन भी नहीं हो सकी है। नया भोजपुर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा उसे सुरक्षित रख दिया है। हालांकि, सोमवार को भी उक्त शव की तलाश में कोई नहीं आया। जिससे पुलिस को उसकी पहचान में मुश्किले आ रही है। बता दें कि रविवार को स्थानीय लोगों की सूचना पर नया भोजपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के रेलवे टैज्क के पास से क्षत-विक्षत अवस्था में एक युवक का शव बरामद किया था। शव को कब्जे में ले पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम कराया, लेकिन शव के समीप से किसी तरह का पहचान पत्र नहीं मिलने तथा उसके स्वजनों द्वारा पुलिस से संपर्क नहीं किए जाने से उसकी शिनाख्त नहीं हो पा रही है। वहीं, इस मामले में स्थानीय लोगों की उत्सुकता भी बढ़ गई है। लोग यह जानने का प्रयास कर रहे है कि मृतक कौन था तथा किन कारणों से उसकी मौत हुई है।

26 को दिव्यांगों में होगी मोटराईज्ड ट्राई साइकिल का वितरण

डुमरांव। दिव्यांगों को समय-समय पर सरकारी योजनाओं की घोषणा राज्य और केन्द्र सरकार के द्वारा किया जाता रहा है। इतना ही नहीं उनके इलाज और शारीरिक अभ्यास को लेकर जिले में दो बुनियाद केन्द्र बक्सर और डुमरांव में स्थापित किया गया है, जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है। वैसे दिव्यांग जो शिक्षा और व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्हें मोटराईज्ड ट्राई साइकिल फ्री में उपलब्ध कराया जाता है। इस साल लगभग 50 दिव्यांगों के बीच इसका वितरण किया जा चुका है। इस योजना के तहत 1 अक्टूबर वृद्धजन दिवस के अवसर पर से वितरित करना था, लेकिन विधान सभा चुनाव को लेकर आचार संहित लग जाने के कारण वितरित नहीं किया जा सका था, अब उसके लिये 26 नंवबर का दिन निश्चित किया गया है। उक्त तिथि को बुनियाद केन्द्र में वितरित किया जाएगा, इसके लिये चयनित दिव्यांगों को बुलाया गया है। विदित हो कि राज्य सरकार के समाजिक सुरक्षा कोषांग से जरूरत के अनुसार मोटराईज्ड ट्राई साइकिल भेजने की अनुशंषा की जाती है। उसी अनुशंषा के आलोक में इस साल 50 ट्राई साइकिल भेजा गया है। सोमवार को दिव्यांगों में वितरण करने के लिये 24 मोटराईज्ड ट्राई साइकिल भेजा गया है, जिसका वितरण 26 नवंबर को किया जाना है, इसकी जानकारी सभी चयनित दिव्यांगों को दे दी गई है। इसकी जानकारी देते हुए बुनियाद केन्द्र के टीम में शामिल प्रबंधक कश्मिरी चौधरी, फीजियोथेरेपिस्ट विकास कुमार सिंह, केश मैनेजर मुन्ना राम एवं डीईओ कार्तिक कुमार ने बताया की वैसे दिव्यांग जो साधारण ट्राई साइकिल लायक हैं, उनके लिये भी आया हुआ है। इनका कहना है कि सभी चाहते हैं कि उन्हें मोटराईज्ड ही मिले, लेकिन जो जिस लायक है, उसे वैसा ही दिया जाता है। उन्होंने बताया की मोटराईज्ड ट्राई साइकिल के साथ ही चार्जर, हेमलेट और लॉक भी दिया जाता है, जिससे दिव्यांग सुरक्षित रहे और समान भी। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी की सरकार के द्वारा पहले जो 60 प्रतिशत के दिव्यांग थे उन्हें ही इसका लाभ मिलता था, अब 40 वाले को भी मिलेगा। सरकार के इस फैसले से दिव्यांगों में काफी खुशी है।

मांग के अनुसार बीज का वितरण होने से किसानों में खुशी, गेहूं का वितरण शुरू

- **12 हजार 500 रजिस्टर्ड किसानों में किया जा रहा बीज का वितरण**

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड कार्यालय स्थित ई-किसान भवन में रबी फसल बीज का वितरण विगत एक माह से चल रहा है। पहले फेज में चुना, मटर, सरसो बीज का वितरण किया गया, लेकिन गेहूं का नहीं होने से किसान काफी नाराज थे। उनके द्वारा बार-बार गेहूं बीज वितरण की मांग की जा रही थी। किसानों की शिकायत थी कि गेहूं बुआयी का समय निकल जाने पर बीज वितरित किये जाने का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। उनकी शिकायत पर बीएओ श्रुति प्रिया ने उन्हें बताया की अभी गेहूं का बीज उपलब्ध नहीं कराया गया है, लेकिन जैसे ही आएगा वितरण शुरू कर दिया जाएगा। फिर जैसे ही गेहूं का बीज उपलब्ध कराया गया, किसानों में उसका वितरण शुरू कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड में 12 हजार 500 रजिस्टर्ड

किसान है, जिसमें बीज का वितरण किया जा रहा है। उन्होने बताया की चना बीज 54 क्वींटल आया हुआ था, वहीं मटर का बीज तीन योजनाओं का 61 क्वींटल वितरित किया जा चुका है। उसी तरह से का बीज 2 क्वींट आया था, उसका भी वितरण कर दिया गया है, अब गेहूं बीज का वितरण शुरू है। बीज वितरण में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा रही है, मांग के अनुसार सभी को बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। जो किसान बीज नहीं किसी कारण वश बीज नहीं ले पाए हैं, उपलब्धता के अनुसार दिया जा रहा है।

संविदा पर मानकों को दरकिनार कर माध्यमिक शिक्षा डीपीओ ने किया ऑपरेटर नियुक्त

- **संविदा के नियमों के तहत नियुक्ति को लेकर नहीं किया गया है मानकों का पालन, उठने लगा है सवाल**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले का शिक्षा विभाग हमेशा से अपने कार्यों को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। इसका ताजा उदाहरण सामने आया है। जिले का माध्यमिक शिक्षा में डाटा ऑपरेटर के पद पर बहाली की गई। लेकिन, सभी मानकों को दरकिनार कर बहाली की प्रक्रिया पूरी की गई। चयन को लेकर डीपीओ माध्यमिक शिक्षा नाजीस अली ने नियुक्ति पत्र जारी किया है। जारी नियुक्ति पत्र में शैलेश कुमार चीनी मिल गजाधरगंज बक्सर को नियुक्त किया गया है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि संबंधित ऑपरेटर का चयन महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना के तहत डाटा इंट्री ऑपरेटर के पद पर चयन किया गया है। इसको लेकर जारी डीपीओ

माध्यमिक शिक्षा के जारी दिनांक 22. 8. 2025 के पत्रांक एएवाईध्100 के द्वारा एनआईसी बक्सर के वेबसाइट पर प्रकाशित करने की दावा की गई है। जबकि यह पत्रांक जिले में एनआईसी पर अपलोड नहीं किया गया है। इसके साथ ही संविदा के लिए निर्धारित मानकों का भी पालन नहीं किया गया है। जो डीपीओ के द्वारा किये गये इस चयन पर सवालिया निशान लगा रहा है। ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति गोपनीय ढंग से किया गया है। नियमानुसार संविदा पर चयन को लेकर प्रकाशन नहीं किया गया और न ही समिति का ही गठन किया गया है। इसे डीपीओ माध्यमिक शिक्षा द्वारा गोपनीय ढंग से करते हुए एनआईसी पर जारी पत्रांक एवं दिनांक भी गलत साबित दशार्या गया है। एनआईसी पर कोई प्रकाशन नहीं किया गया है। जबकि पत्र में इंगित है कि जिला अनतर्गत संचालित महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछडा वर्ग आंचल योजना के तहत डाटा इन्द्री ऑपरेटर रखने से संबंधित सूचना एनआईसी की वेबसाईट पर प्रकाशित की गई थी। इस संबंध में जब एनआईसी के अधिकारियों से संपर्क स्थापित किया। तब उनलोगों ने बताया कि इस तरह का कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। एनआईसी पर प्रकाशन के लिए जो भी पत्र आता है। उसे तत्काल प्रकाशित कर दिया जाता है। चयन को लेकर नियुक्ति पत्र 4 सितंबर 2025 को ही डीपीओ माध्यमिक शिक्षा नाजीश अली द्वारा जारी किया गया है. डीपीओ द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के तीन माह बीत गये. इसके बावजूद जिला शिक्षा पदाधिकारी को जानकारी नहीं होना भी नियुक्ति पर सवाल खड़ा कर रहा है। वहीं डीपीओ नाजीश अली से संपर्क किया गया। तब उन्होंने कहा कि एनआईसी पर अपलोड करने के लिए पत्र भेजा गया था। नियमानुसार चयन किया गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन ने बताया कि उनको इस ऑपरेटर के पद पर किसी भी व्यक्ति की तैनाती व चयन को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

सिमरी में सुशीला-गायत्री निर्विरोध वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संभाला पद

- **लंबे अरसे बाद प्रखंड में पूरी गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ पदभार ग्रहण समारोह**

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड में लंबे अरसे के बाद एक बार फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया ने नई दिशा ली है। निर्विरोध चुनी गई प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी और उप प्रमुख गायत्री देवी ने सोमवार को पूरे विधि-विधान के साथ अपना पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण समारोह शांति एवं गरिमा के वातावरण में आयोजित हुआ, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक अनुष्ठानों के बीच दोनों जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर अपने कार्यकाल का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पंचायत प्रतिनिधियों तक बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। समारोह में मुख्य

रूप से अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडे, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार, सिमरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद कुमार पांडे, पैगंबरपुर पंचायत के मुखिया वीरेंद्र पाठक, पादरी पंचायत के मुखिया दीप, जिला पार्षद केदार सिंह यादव, मुखिया प्रतिनिधि मनोज अध्याय, उप प्रमुख प्रतिनिधि पंकज दुबे, प्रतिनिधि जयप्रकाश राय, राजू कुंवर, पंचायत समिति सदस्य नारायण सिंह, दिनेश कुमार साहू, प्रमोद कुमार मिश्रा, निर्मल यादव, अजय कुमार ओझा, विजय शंकर दुबे, व्यास मुनि दुबे, संतोष यादव, विजय बिंद सहित कई प्रतिनिधि शामिल रहे। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी समारोह में देखने को मिली। पंचायत प्रतिनिधि संगीता देवी, अर्चना कुमारी, रीमा राय, पूजा देवी, मोतिझरिया देवी सहित कई महिला जनप्रतिनिधियों ने नए नेतृत्व का स्वागत किया। पदभार ग्रहण के बाद प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी और उप प्रमुख गायत्री देवी ने कहा कि सिमरी प्रखंड के सर्वांगीण विकास, पारदर्शिता और जनसुनवाई को प्राथमिकता में रखा जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि पंचायतों में लंबित कार्यों को गति दी जाएगी तथा महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। समारोह में उपस्थित लोगों ने भी नई टीम से विकास की नई उम्मीदें जताईं। निर्विरोध चयन को प्रखंड की राजनीतिक परिपक्वता और आपसी सहयोग की मिसाल बताया गया। सभी प्रतिनिधियों ने दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रखंड के एक नए और सशक्त कार्यकाल की उम्मीद व्यक्त की।

भूमि विवाद में छुट्टी पर आए पुलिस जवान पर हथियारबंद लोगों ने किया हमला, हाथ टूटा, महिलाओं से बदसलूकी का भी आरोप

- **कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिया डेरा में दो पक्षों के बीच अचानक भड़का विवाद, नौ लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज, पुलिस जांच तेज, गिरफ्तारी अभी तक नहीं**

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरान सराय थाना क्षेत्र के मठिया डेरा में रविवार को भूमि विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया, जिसमें छुट्टी पर घर आए बिहार पुलिस के जवान अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है और ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार विवाद भूमि के पुराने मामले को लेकर शुरू हुआ, जो रविवार को दो पक्षों के बीच अचानक इतना बढ़ गया कि नौबत मारपीट की आ गई। इस मामले में नौ लोगों पर हथियार के साथ पहुंचकर हमला करने का आरोप लगा है। आरोपितों में सिमरी थाना क्षेत्र के दुल्लहपुर गांव निवासी विनोद सिंह, मनोज सिंह, दिव्य प्रकाश, अभिनव, सुनील कुमार, अजीत कुमार तथा मठिया डेरा निवासी उदय सिंह, निर्मल सिंह और रामेश्वर सिंह शामिल हैं।

बताया जाता है कि विवाद के दौरान हथियारबंद आरोपियों ने पुलिस जवान अमित कुमार को निशाना बनाते हुए बुरी तरह पीटा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनका हाथ भी टूट गया। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल जवान को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

इधर, पीड़ित जवान की मां बालकेश्वरी देवी ने थाने में लिखित आवेदन देकर नौ लोगों को नामजद किया है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बीच-बचाव करने पहुंची महिलाओं के साथ बदसलूकी की गई और उनके गले से आभूषण छीन लिए गए। इस आरोप से घटना और भी गंभीर हो गई है। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में जमीन विवाद लंबे समय से तनाव का कारण बना हुआ है, और रविवार की घटना ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है। पुलिस की सक्रियता अब इस बात पर टिकी है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर क्षेत्र में शांति बहाल की जाए।

एक नजर

मारपीट का आरोपित गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के नंदन गांव से मारपीट के एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान स्थानीय गांव निवासी रामू यादव पिता बिरेन्द्र यादव के रूप में हुई है।

थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपित पर गांव के ही अंजनी चौबे के साथ मारपीट का आरोप था। इस मामले में अंजनी के भाई छोटू चौबे के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया था।

थानाध्यक्ष ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद एक टीम भेज छापेमारी करवा उसे गिरफ्तार किया गया तथा आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

कोर्ट से हथकड़ी समेत भागा शराब तस्कर, सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल

कागजी कार्रवाई में उलझी पुलिस, भीड़ का फायदा उठाकर आरोपी चंपत
एसपी ने दो पुलिसकर्मियों पर की विभागीय कार्रवाई की घोषणा

बक्सर। जिला मुख्यालय बक्सर स्थित व्यवहार न्यायालय परिसर में सोमवार की दोपहर सनसनी फैल गई, जब शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी पुलिस अभिरक्षा से हथकड़ी समेत फरार हो गया। घटना ने न सिर्फ कोर्ट परिसर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि पुलिस की कार्यशैली को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, चक्की थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर अंतर्गत गायघाट गांव के सरबजीत बिंद उर्फ. लम्बू (35) को शराब तस्करी के एक मामले में पेशी के लिए अदालत लाया गया था। आरोपी को चक्की थाना के अवर निरीक्षक शंभु शरण और चौकीदार सुरेंद्र यादव कोर्ट पहुंचे थे। पेशी से पहले कागजी प्रक्रिया के लिए दारोगा कोर्ट कार्यालय में व्यस्त थे, जबकि बाहर चौकीदार आरोपी की हथकड़ी से बंधी रस्सी पकड़े निगरानी कर रहा था। इसी दौरान परिसर में मौजूद भारी भीड़ और अफरातफरी का फायदा उठाते हुए सरबजीत ने चुपके से रस्सी को खोल लिया और हथकड़ी समेत भीड़ में घुसकर फरार हो गया। चौकीदार ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया, लेकिन आरोपी कुछ ही पलों में भीड़ की आड़ में गायब हो गया। फरारी के वक्त हथकड़ी उसके हाथों में ही थी, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। घटना के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस टीमों को अलर्ट किया गया और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तत्परता से अभियान शुरू किया गया। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। साथ ही, प्रारंभिक जांच में लापरवाही उजागर होने पर आरोपी को लाए दोनों पुलिसकर्मियों पर विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कोर्ट में तैनात सुरक्षाकर्मियों की जिम्मेदारी, आरोपी पर निगरानी की कमी और परिसर की ढीली सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल उठने लगे हैं। पुलिस अब आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और लापरवाही में दोषी कर्मियों पर कठोर कार्रवाई का भरोसा दे रही है। घटना ने एक बार फिर अदालत परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी को उजागर कर दिया है।

साइबर ठग ने क्रेडिट कार्ड अपडेट के नाम पर उड़ाए 46 हजार, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोवा गांव में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है, जहां क्रेडिट कार्ड चालू कराने के नाम पर एक व्यक्ति से 46 हजार रुपये ठग लिए गए। पीड़ित मनजी रवानी द्वारा दिए गए बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात साइबर अपराधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी के अनुसार, घटना 4 अक्टूबर की है। मनजी रवानी के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि उनका क्रेडिट कार्ड अपडेट करना है, जिसके लिए उनके मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। फोन करने वाले ने भरोसा दिलाया कि ओटीपी बताने पर कार्ड तुरंत सक्रिय हो जाएगा। बैंक प्रक्रिया समझकर पीड़ित ने जैसे ही ओटीपी बताया, उसके खाते से लगातार तीन बार में कुल 45,694 रुपये निकाल लिए गए। रुपये कटने की जानकारी मिलते ही पीड़ित के होश उड़ गए।

बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर दिया गया जोर

डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई कल्याण विभागों की समीक्षा बैठक

- **अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान में 92.27 प्रतिशत आवेदनों का निष्पादन, आवासीय विद्यालय एवं छात्रावासों में नामांकन प्रक्रिया की भी हुई समीक्षा**

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण विभाग तथा पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न चल रही योजनाओं की प्रगति, लाभुकों को मिलने वाली सुविधाओं तथा निमार्णाधीन संरचनाओं की स्थिति पर विशेष चर्चा की गई।

सबसे पहले बैठक में डॉ. भीमराव अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष विकास शिविरों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत जिले में कुल 45,525 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 42,004 आवेदनों का निष्पादन कर लिया गया है। निष्पादन प्रतिशत 92.27 दर्ज किया गया, जिसे डीएम ने संतोषप्रद बताते हुए शेष मामलों को भी निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।

इसी क्रम में डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय, रामपुर (केसठ) में छात्रों के नामांकन की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि विभागीय निदेर्शानुसार नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की जाती है। वर्ग 1 से 5 तक के लिए ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली लागू है, जबकि वर्ग 6 से 9 तक के लिए लिखित परीक्षा ली जाती है। परीक्षा परिणाम विभाग द्वारा जारी किए जाने के बाद ही नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण होती है। डीएम ने नामांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय-सीमा के अनुपालन पर बल दिया।

इसके बाद डॉ. अम्बेडकर कल्याण छात्रावास में नामांकन की समीक्षा की गई। पदाधिकारी ने जानकारी दी कि छात्र-छात्राएं विभागीय वेबसाइट पर हर माह 1 से 10 तारीख के बीच ऑनलाइन फॉर्म भरते हैं। सीट रिक्त होने पर उपविकास आयुक्त की अध्यक्षता में छात्रावास नामांकन समिति की बैठक आयोजित कर ही नामांकन की औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि छात्रावासों में सीटों के अनुसार छात्रों को अवसर मिले और किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए।

बैठक के दौरान जिले में संचालित कल्याण संस्थानों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई। विदित हो कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के तहत डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय रामपुर, केसठ संचालित है। जबकि डॉ. अम्बेडकर कल्याण छात्रावास लख नंबर 11, बक्सर में 200 छात्रों की क्षमता वाला छात्रावास चल रहा है। इसी प्रकार कोईरपुरवा, बक्सर स्थित डॉ. अम्बेडकर बालिका छात्रावास 50 छात्राओं की क्षमता के साथ कार्यरत है। पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा ओबीसी आवासीय विद्यालय महदह और 100 सीटों वाले जननायक कपूर्री ठाकुर छात्रावास, बक्सर संचालित किए जा रहे हैं। बैठक के दौरान इन संस्थानों की स्थिति, सुधार व आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने जिले में निमार्णाधीन संरचनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। अदफा स्थित ओबीसी प्लस टू उच्च विद्यालय में निर्माण कार्य में विलंब पाए जाने पर भवन निर्माण विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं महदह स्थित अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय के भवन को जल्द पूर्ण कर विभाग को हस्तांतरण हेतु भवन निर्माण निगम लिमिटेड को निर्देशित किया गया। समीक्षा के दौरान डीएम ने सभी अनुमंडल और प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को समय-सीमा का पालन करने, योजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा लाभुकों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने देने की सख्त हिदायत दी। साथ ही उन्होंने अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत देय मुआवजा राशि को समय पर उपलब्ध कराने की अनिवार्यता पर भी जोर दिया।

बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी डुमरांव, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सहित सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डिजिटल जीवन प्रमाण अभियान 4.0, गहमर में 29-30 नवम्बर को पेंशनरों के लिए विशेष शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

गहमर, गाजीपुर एवं आसपास के जिलों में निवास करने वाले सैन्य तथा असैन्य रक्षा पेंशनरों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है। जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी बक्सर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कार्यालय रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन), प्रयागराज की ओर से डिजिटल जीवन प्रमाण अभियान 4.0 के तहत दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 29 एवं 30 नवम्बर को भूतपूर्व सैनिक सेवा समिति, हनुमान चबूतरा, गहमर, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य उन सभी रक्षा पेंशनरों को सुविधा प्रदान करना है जो डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में कठिनाइयों का सामना करते हैं। इस दो दिवसीय शिविर में पेंशनरों का जीवन प्रमाण पत्र डिजिटल माध्यम से सुरक्षित रूप से अपडेट किया जाएगा। साथ ही, पेंशन से संबंधित विभिन्न प्रकार की शिकायतों एवं समस्याओं का स्थल पर ही निवारण किया जाएगा, जिससे पेंशनरों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि अभियान का लाभ पाने के लिए पेंशनरों को शिविर स्थल पर समय से उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने सभी रक्षा पेंशन भोगियों से अपील की है कि वे अपनी पहचान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज अवश्य साथ लेकर आएं। विशेष रूप से स्पर्श पेंशनर अपने साथ पीपीओ संख्या, पंजीकृत मोबाइल नंबर, तथा बैंक खाता संख्या अवश्य लाएं, जिससे उनका जीवन प्रमाण पत्र बिना किसी बाधा के अपडेट किया जा सके।

अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पेंशनरों को उनके घर के नजदीक ही सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे बड़ी संख्या में पेंशनर लाभान्वित होंगे तथा पेंशन प्रक्रिया और अधिक सुगम बनेगी। पेंशनरों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण अभियान का लाभ उठाएं।

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, युवक गंभीर, गाड़ी छोड़ फरार हुआ चालक

- **अहियापुर के पास हुआ दर्दनाक हादसा, बोलेरो जब्त, चालक की तलाश में पुलिस जुटी**

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र में रविवार की देर शाम उस समय हड़कंप मच गया जब जलहरा-कौवा खोंच मुख्य पथ पर अहियापुर गांव के नजदीक तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक पर पीछे बैठे 65 वर्षीय महेंद्र सिंह की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक विकास यादव की हालत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, रसेन पंचायत के श्यामपुर गांव निवासी महेंद्र सिंह और रोहतास जिला के भगतगंज गांव निवासी विकास यादव अपने रिश्तेदार के यहां अहियापुर आए हुए थे। श्राद्ध कर्म में शामिल होने के बाद दोनों एक ही बाइक से जलहरा की ओर लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव से बाहर मुख्य पथ पर पहुंचे, जलहरा की दिशा से बेकाबू रफ्तार में आ रही बोलेरो ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद आसपास के लोग घबराकर चीखने-चिल्लाने लगे। कुछ ही क्षणों में अहियापुर के कई ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। हादसे के बाद बोलेरो चालक अपनी गाड़ी सड़क पर ही छोड़कर मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पहुंची एंबुलेंस से दोनों घायलों को राजपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने 65 वर्षीय महेंद्र सिंह को मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे श्यामपुर गांव में मातम छा गया।

दूसरी ओर गंभीर रूप से जख्मी विकास यादव को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

अपर थाना अध्यक्ष शिवकुमार मंडल ने बताया कि हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से बोलेरो और क्षतिग्रस्त बाइक को थाने लाया गया है। बोलेरो जब्त कर ली गई है और उसके आधार पर चालक एवं वाहन मालिक की पहचान की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजपुर-अहियापुर मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों का लगातार खतरा बना रहता है, और इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

कृषि वर्ष 2025-26, अतरौना में खरीफ धान कटनी प्रयोग सफल, प्रति हेक्टेयर 53.16 क्विंटल उपज

- **उप विकास आयुक्त ने किया निरीक्षण, किसानों को मिलेगा लाभकारी उपज अनुमान**

केटी न्यूज/बक्सर

प्रखंड इटाढ़ी के अतरौना पंचायत में सोमवार को खरीफ धान फसल के तहत आयोजित कटनी प्रयोग का निरीक्षण उप विकास आयुक्त (डीडीसी) आकाश चौधरी ने किया। ग्राम अतरौना के प्रगतिशील किसान कौशलेन्द्र कुमार सिंह के खेत में किए गए इस वैज्ञानिक पद्धति आधारित कटनी प्रयोग ने बेहतर परिणाम दिए, जिससे क्षेत्र के किसानों में उत्साह देखा जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस प्रकार के प्रयोग कृषि उपज का वास्तविक और वैज्ञानिक आकलन प्रस्तुत करते हैं। इससे जहां किसानों को सटीक उत्पादन अनुमान मिलता है, वहीं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होती है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे प्रयोगों को व्यापक रूप से प्रचारित कर किसानों को आधुनिक कृषि पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए।

कटनी प्रयोग 10 मीटर लंबे व पांच मीटर चौड़ाई वाले आयताकार खेत में किया गया। निर्धारित खेत की कटनी के बाद कुल 26.580 किलोग्राम उपज प्राप्त हुई। वैज्ञानिक गणना के अनुसार यह प्रति हेक्टेयर 53.16 क्विंटल की औसत पैदावार दर्शाती है, जिसे वर्तमान मौसम और परिस्थितियों में अत्यंत संतोषजनक माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के प्रयोग किसानों को फसल प्रबंधन, तकनीकी हस्तक्षेप और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

इस मौके पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी बक्सर, जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर, प्रखंड विकास पदाधिकारी इटाढ़ी, अंचल अधिकारी इटाढ़ी, सहायक सांख्यिकी अधिकारी बक्सर एवं इटाढ़ी, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी इटाढ़ी, कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और किसान उपस्थित थे। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि वैज्ञानिक आधार पर की गई ऐसी गतिविधियां खेती को अधिक लाभकारी और योजनाओं को अधिक भरोसेमंद बनाती हैं।

कार्यक्रम के अंत में उप विकास आयुक्त ने किसान कौशलेन्द्र कुमार सिंह की सराहना की और कहा कि प्रगतिशील किसानों की भागीदारी से ही कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार तेजी से संभव हो पाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी प्रखंडों में कटनी प्रयोग को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए ताकि पूरे जिले का सटीक उपज आंकड़ा तैयार हो सके।

महिला पर हमला, निजी फोटो वायरल कर विवाह तोड़ने की साजिश, एक नामजद

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में सिलाई सीखने जा रही एक नवविवाहिता पर हुए हमले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पीड़िता के अनुसार, 19 नवंबर को वह रोज की तरह गांव के बाजार स्थित सिलाई केंद्र जा रही थी, तभी रास्ते में अरक गांव निवासी विवेक कुमार साह ने उसे रोककर बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में चौंकाने वाला आरोप लगाया है कि आरोपी पिछले कई दिनों से उसके ससुराल पक्ष को उसकी निजी फोटो भेजकर विवाह टूटवाने की कोशिश कर रहा है। महिला का कहना है कि उसकी हाल ही में शादी हुई है और आरोपी जानबूझकर उसके पति एवं ससुर को भ्रामक तस्वीरें भेजकर भ्रम फैलाने और घर में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी न केवल उसे लगातार परेशान करता रहा, बल्कि उसके पति और ससुर को जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। इससे पूरा परिवार दहशत में है। घटना की जानकारी होते ही पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए आरोपी विवेक कुमार साह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे प्रकरण की पड़ताल कर रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि मामले में शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद ग्रामीणों में भी रोष है और पीड़िता न्याय की गुहार लगा रही है।

बिहार में बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत, डेढ़ सौ से अधिक पावर सब-स्टेशन की मिली मंजूरी

एजेंसी। पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद राज्य के ऊर्जा विभाग ने बिजली की आपूर्ति को निर्बाध और बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर योजना बनाई है। सरकार ने पूरे राज्य में डेढ़ सौ से अधिक पावर सब स्टेशन बनाने का ऐलान किया है, जिससे बिजली की गुणवत्ता में सुधार हो और लोगों को किसी भी तरह की बिजली कटौती का सामना न करना पड़े। इस दिशा में बिजली कंपनी ने पहले ही निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली है। सरकार की योजना के मुताबिक, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) के तहत 76 और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) के तहत 80 पावर सब स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। इनमें से लगभग एक दर्जन पावर सब स्टेशन पटना और उसके आसपास के इलाकों में स्थापित किए जाएंगे। यह कदम खासकर उन इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है जहां बिजली की पहुंच अभी तक सीमित थी या पुराने सब स्टेशन के कारण बिजली की आपूर्ति में बाधाएं आती थीं। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान जनता से फीडबैक लेते हुए और समीक्षा बैठक के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में नए पावर सब स्टेशन स्थापित करने की घोषणा की थी। इसके बाद राज्य कैबिनेट ने इन योजनाओं को मंजूरी प्रदान की। मंजूरी मिलने के बाद बिजली कंपनियों ने तुरंत निविदा जारी कर निर्माण कार्य की प्रक्रिया शुरू कर दी। अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि जून-जुलाई तक अधिकांश पावर सब स्टेशन का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नए बसे इलाकों में पावर सब स्टेशन की दूरी अधिक होने के कारण बिजली की आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। इससे न केवल बिजली कटौती की समस्याएं उत्पन्न होती थीं बल्कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान भी धीमा हो जाता था। नए पावर सब स्टेशन के निर्माण से इन इलाकों में बिजली की गुणवत्ता में सुधार होगा और जनता को निर्बाध बिजली मिल सकेगी। इसके अलावा, यह उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निवारण भी संभव बनाएगा। खासकर पटना और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले नए आबादी वाले क्षेत्रों के लिए यह योजना बड़ी राहत साबित होगी। यहां रहने वाले लोगों को अब बिजली की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा और उनके घरों और व्यवसायों में बिजली की आपूर्ति लगातार बनी रहेगी। साथ ही, राज्य सरकार की यह पहल राज्य के ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती देने के साथ-साथ बिहार के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस योजना के लागू होने के बाद पूरे बिहार में बिजली की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार होगा। राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली की समस्या कम होगी और उद्योगों और छोटे व्यवसायों को भी स्थिर बिजली मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने टेलरिंग के काम में लगे कर्मियों से बातचीत कर औद्योगिक इकाई द्वारा दी जा रही सुविधाओं आदि के संबंध में जानकारी ली

सीएम नीतीश ने किया हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र का औचक निरीक्षण, उद्योग विस्तार और रोजगार सृजन पर दिया जोर

एजेंसी। हाजीपुर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण कर औद्योगिक इकाइयों, न्यू जील सीजनल वियर प्राइवेट लिमिटेड, कॉम्पीटें एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड एवं ब्रिटानिया इंडस्ट्रीयल लिमिटेड का निरीक्षण किया। नीतीश कुमार ने भ्रमण के क्रम में न्यू जील सीजनल वियर प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण कर वहां तैयार किये जा रहे विभिन्न प्रकार के वस्त्रों एवं कार्यरत कर्मियों की संख्या के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने टेलरिंग के काम में लगे कर्मियों से बातचीत कर औद्योगिक इकाई द्वारा दी जा रही सुविधाओं आदि के संबंध में

जानकारी ली। सीएम नीतीश कुमार ने इसके बाद हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत कॉम्पीटेंस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कॉम्पीटेंस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड में बनाये जा रहे विभिन्न प्रकार के जूतों से संबंधित बाजार, कच्चे माल के संबंध में प्रबंधन से विस्तृत जानकारी ली। सीएम नीतीश कुमार ने हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित ब्रिटानिया इंडस्ट्रीयल लिमिटेड का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि, यहां मुख्य रूप से बिस्कुट और कुकीज का निर्माण होता है, जो पूरे भारत के साथ-साथ विदेशों में भी भेजे जाते हैं। यह कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड का हिस्सा है, जो बिस्कुट, ब्रेड और डेयरी उत्पादों के निर्माण के लिए जानी जाती है। मुख्यमंत्री ने हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र के इन औद्योगिक इकाइयों में चल रही उत्पादन गतिविधियों, उद्योग विस्तार की संभावनाओं तथा रोजगार सृजन से जुड़े मुद्दों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास को और अधिक गति देने के लिये आवश्यक निर्देश भी दिए ताकि ज्यादा से ज्यादा रोजगार का सृजन हो सके। गौरतलब है कि, हाजीपुर कलस्टर बिहार का एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जिसमें हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र और निर्यात प्रोत्साहन औद्योगिक पार्क सहित कुल नौ औद्योगिक क्षेत्र सम्मिलित हैं। इस क्लस्टर में अब तक 289 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। क्लस्टर में 291.83 एकड़ भूमि आवंटित है तथा 304. 11 एकड़ भूमि आवंटन के लिये उपलब्ध है। यहां उद्योगों के संचालन के लिये 11 के.वी एवं 33 के.वी विद्युत आपूर्ति, विकसित सड़क नेटवर्क, सोलर स्ट्रीट लाइट, जल निकासी प्रणाली, बाउंड्री वॉल, क्लस्टर की भौगोलिक स्थिति और बेहतर कनेक्टिविटी इसे एक सशक्त औद्योगिक केंद्र बनाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान इस क्लस्टर में निवेश, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिएकई उल्लेखनीय कदम उठाए गए। यहां कॉम्फेड सुधा डेयरी, सोन बिस्कुट लिमिटेड, अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड, एस.एल.एम.जी बेवरेजेज प्रा. लि और एवोन साइकिल लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा निवेश किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

भोजपुर में जदयू नेत्री पर चाकू से जानलेवा हमला, आरोपी की तलाश में छापेमारी तेज

एजेंसी। आरा

बिहार के भोजपुर जिले में सोमवार को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। कोइलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया गांव में बदमाशों ने जेडीयू नेत्री लीलावती उर्फ सोनम पटेल पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात उस समय हुई जब वे घर से बाहर निकल रही थीं। अचानक पीछे से आए हमलावर ने उनकी पीठ में चाकू घोंप दिया, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर गई। हमले की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग मौके पर जुटे और आनन-फानन में घायल सोनम पटेल को कोइलवर सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के दौरान उनके घाव पर पांच टांके लगाए। स्थिति गंभीर होने पर उन्हें तुरंत आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह और कोइलवर थानाध्यक्ष नरोत्तमचंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक और तकनीकी टीम की मदद से पूरे मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में गांव के ही युवक राज कुमार पर हमले का संदेह है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी का पीड़िता के परिवार से पहले भी विवाद रहा है और उस पर पॉस्को सहित कई मामलों में आरोप दर्ज हैं। एसडीपीओ रंजीत कुमार सिंह ने कहा आरोपी की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिहार में अपराधी बेलगाम : सहरसा में खनन विभाग के डाटा ऑपरेटर को मारी गोली, हालत नाजुक

एजेंसी। आरा

बिहार में अपराधियों का तांडव जारी है। इस बार अपराधियों ने सहरसा में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। जहां बेखौफ अपराधियों ने डाटा ऑपरेटर को अपना निशाना बनाया है। जिसे गोली मार दी गयी है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। घायल डाटा ऑपरेटर की पहचान 35 वर्षीय मृत्युंजय कुमार के रूप में हुई है। जो बिहरा थाना क्षेत्र के वार्ड नं० - 4, सत्तर के रहने वाले हैं। घटना सदर थाना क्षेत्र के मत्स्यगंधा के पास हुई है। जख्मी ऑपरेटर को दो गोली लगी है। जिसमें एक गोली आर पार हो गया वहीं एक गोली अभी पंजारा में फंसा हुआ है।मिली जानकारी मुताबिक जख्मी ऑपरेटर अपने गांव सत्तर से सहरसा शहर के भावी साह चौक लौट रहे थे। जख्मी डाटा ऑपरेटर खनन विभाग जमुई में पोस्टेड हैं। परिजनों कि माने तो सुरेंद्र यादव के पुत्र मृत्युंजय कुमार अपने घर से बाईक पर सवार होकर अकेले सहरसा जा रहे थे। उसी दौरान सदर थाना क्षेत्र के जरसैन एवं मत्स्यगंधा के बीच बाईक सवार दो बदमाशों ने दो गोली चलाई। जिसमें एक गोली पेट लगने से मृत्युंजय गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जख्मी का इलाज सूर्या अस्पताल में चल रहा हैं। घटना के बाद स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंच मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। वहीं घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया की आज देर शाम सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार को सुचना मिली थी कि एक व्यक्ति को बाईक सवार अपराधियों ने गोली मारी है। घटनास्थल पर त्र्ढ्ढछ और डीआईयू की टीम पहुँचकर जाँचकर रही है। घटना के संबंध में अभी कुछ भी जानकारी नहीं है, फिलहाल पुलिस मामले की जाँचकर रही है। घटना के कारण का अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। लेकिन पुलिस का दावा है कि जल्द ही गोलीबारी की घटना का पटाक्षेप किया जायेगा और घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

एक नजर

संदिग्ध हालत में एक व्यक्ति की मौत जांच में जुटी पुलिस विभाग की टीम

काराकाट। रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के जमुआ टोला निवासी लगभग 52 वर्षीय अरुण पांडे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत शुक्रवार शाम तरारी थाना क्षेत्र के भकुरा गांव में हो गई। मृतक के परिजनों के आग्रह पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल मामला संदिग्ध बना हुआ है। परिजनों का कहना है कि अरुण पांडे की मौत को लेकर कई सवाल बने हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अरुण पांडे पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें हत्या, आर्म्स एक्ट और फायरिंग के गंभीर आरोप शामिल हैं। वे बीते कुछ दिनों से फरार चल रहे थे। वर्ष 2022 में उन पर 58/22 कांड संख्या में हथियार लहराने और फायरिंग करने का मामला भी दर्ज हुआ था। इसी वर्ष जून में काराकाट थाना में दर्ज 293/25 कांड में वे अपने पुत्र विकेश पांडे के साथ अंशु कुमार पांडे के दादा अंबिका पांडे हत्या मामले के संयुक्त मुख्य अभियुक्त बनाए गए थे। जहां पुत्र विकेश पांडे पुलिस के गिरफ्त में आ चुका था, वहीं पिता अरुण पांडे अब तक फरार थे। उनकी अचानक भकुरा में हुई मौत ने जांच एजेंसियों को भी उलझन में डाल दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों द्वारा किसी प्रकार का आवेदन अब तक नहीं दिया गया है और पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

अवैध शराब धंधेबाज को जेल

काराकाट। काराकाट पुलिस ने शराब बेचने वाले एक कारोबारी को गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पड़सर निवासी बैकुंठ सिंह के पुत्र संतोष कुमार को 1 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने दो शराबी को भेजा जेल

काराकाट। काराकाट पुलिस ने शराब सेवन के मामले में दो आरोपी को पकड़ संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों पियक्कड़ नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इटिम्हां निवासी प्रशांत कुमार एवं मेवालाल राम को नशे की हालत में काराकाट थाना क्षेत्र के ग्राम कर्मा से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

तालाब में डूबे दो भाइयों के शव मिलने फैली सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

इंद्रपुरी। रोहतास जिले के नवाडीह थाना क्षेत्र इंद्रपुरी निवासी दो सगे भाइयों की संदिग्ध स्थिति में मौत के बाद शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गई। जिसकी खबर सुनते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक कल दोपहर करीब 12 बजे घर से बेर खाने की बात कहकर घर से निकले थे। लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान निमियाडीह के पास पहाड़ के नीचे स्थित ताला तालाब से दोनों युवकों का शव बरामद किया गया। मृतक दोनों युवक राजेश पाल के पुत्र बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग भी मौके पर जुट गए और भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है, पुलिस हर पहलू से मामले की छानबीन कर रही है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। दूसरी तरफ परिजनों ने इस मौत के प्रति इसे हत्या का आशंका बताया है।

सरकार बनते ही एक्शन में अधिकारी दरभंगा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

दरभंगा। नई सरकार बनते ही दरभंगा जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। सोमवार को शहर में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई शुरू की गई। इस अभियान का नेतृत्व सदर एसडीओ विकास कुमार डीसीएलआर संजीत कुमार और सदर एसडीपीओ राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। सोमवार की सुबह से ही प्रशासनिक टीम लहेरियासराय टावर, हाजमा चौक और आसपास के व्यस्त क्षेत्रों में पहुँची, जहाँ लंबे समय से सड़क और सार्वजनिक जगहों पर किए गए अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया गया। दुकानों, ठेलों और अवैध कब्जों को जेसीबी की मदद से हटाया गया। एसडीओ विकास कुमार ने मौके से ही कड़ा संदेश देते हुए कहा अतिक्रमण हटाओ, नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई। अब सड़क और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो लोग स्वयं से अतिक्रमण नहीं हटाएंगे, उनके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होता है, लोगों को परेशानी होती है और शहर की व्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए अब ऐसी कार्रवाई नियमित रूप से की जाएगी।

बिहार में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मामले, हाई-रिस्क इलाकों में फॉगिंग और निगरानी तेज

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड बढ़ने के बावजूद डेंगू मरीजों की संख्या में किसी प्रकार की कमी नहीं आ रही है। मुजफ्फरपुर जिले में अब तक डेंगू के 103 मरीज मिल चुके हैं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 77 था। राहत की बात यह है कि चिकनगुनिया और मलेरिया के एक भी मरीज सामने नहीं आए हैं। हालांकि, रविवार को जिले में डेंगू का कोई नया केस दर्ज नहीं हुआ। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाकों में निगरानी और सतर्कता तेज कर दी है, लेकिन नए मरीज लगातार मिल रहे हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार ने बताया कि विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों को सफाई रखने और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दे रही है। डेंगू के मरीज मिलने वाले इलाकों में

टीम लगातार सर्वे कर रही है। बुखार या डेंगू के लक्षण दिखने पर मरीजों को एसकेएमसीएच भेजा जा रहा है। साथ ही सैंपलिंग की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम और ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें हाई-रिस्क क्षेत्रों में फॉगिंग कर रही हैं। पीएचसी से लेकर सदर अस्पताल तक डेंगू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है और सभी वार्ड व्यवस्थित किए गए हैं। एठंड के बढ़ने के साथ सरकारी और निजी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासकर बच्चों पर इसका प्रभाव अधिक दिख रहा है। सर्दीझ्रखांसी, निमोनिया और डायरिया से पीड़ित बच्चों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ गई है। अस्पतालों की ओपीडी में रोजाना लगभग दो सौ अतिरिक्त मरीज पहुंच रहे हैं। एमसीएच की शिशु ओपीडी में प्रतिदिन 10 से 12 बच्चे निमोनिया और डायरिया के लक्षणों के साथ पहुंच रहे हैं। जांच के बाद गंभीर मरीजों को वार्ड में भर्ती किया जा रहा है। फिलहाल अस्पताल में 13 बच्चे भर्ती हैं, जिनमें चार बच्चे निमोनिया से जूझ रहे हैं, जबकि बाकी बच्चों में डायरिया और ठंड से जुड़ी बीमारियां पाई गई हैं। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. चिन्मयी शर्मा ने बताया कि ठंड में छोटे बच्चों पर संक्रमण का असर अधिक होता है। इस मौसम में निमोनिया और डायरिया के मामले तेजी से बढ़ते हैं। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं और सिर व कान ढंककर रखें। यदि बच्चे को ठंड लगे या सांस लेने में परेशानी हो तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि एसएनसीयू वार्ड में भी निमोनिया के अधिक बच्चे भर्ती हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार सभी मरीजों का समुचित इलाज किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी और भविष्य की रणनीति

स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे घर और आसपास साफ-सफाई रखें और पानी के जमाव को रोकें ताकि मच्छरों का प्रजनन न हो। इसके अलावा, विभाग लगातार निगरानी और जागरूकता अभियान चला रहा है ताकि डेंगू और अन्य संक्रामक रोगों को नियंत्रित किया जा सके।

बिहार के कई जिलों में गिरा तापमान, आईएमडी ने जारी की चेतावनी

एजेंसी। पटना

बिहार में नवंबर का अंतिम सप्ताह ठंड, कोहरे और प्रदूषण की खतरनाक तिकड़ी से जूझ रहा है। आज 24 नवंबर से मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि उत्तर-पश्चिमी पछुआ हवाओं की रफ्तार बढ़ने से न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट दर्ज होगी। कई जिलों में रात का पारा 10 डिग्री के नीचे तक लुढ़क सकता है, जबकि सुबह का कोहरा विजिबिलिटी को 600 मीटर तक सीमित कर देगा। इधर हाजीपुर फिर सबसे प्रदूषित शहर बन गया है, यहाँ का अदक 212 पहुंच गया है और लोगों का सांस लेना मुश्किल है। पटना में 150 अदक के साथ मध्यम प्रदूषण है। रविवार को पटना सहित 24 जिलों में रात का तापमान 1-2 डिग्री गिरा। फारबिसगंज में अधिकतम 31.2°C रिकॉर्ड हुआ।

किशनगंज की सबसे ठंडी रात 12.3°C रही। पूर्णिया, गया और तराई इलाकों में कोहरा सबसे घना रहा और दृश्यता 600 मीटर तक सिमट गई। सड़कें 'ब्लाइंड' हो गईं और गाड़ियां रेंगने लगीं। पछुआ हवाओं की 30 किमी/घंटे की रफ्तार ने सुबह-शाम की ठिठुरन दोगुनी कर दी है। क्ऌऊ के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव से 27-28 नवंबर तक हल्की बारिश हो सकती है, यह ठंड को और तेज कर देगी। जबकि दिन के समय हल्की धूप लोगों को राहत देगी और अधिकतम तापमान 26-30°C के बीच रहेगा। उत्तर बिहार (मुजफ्फरपुर, दरभंगा) में ठंड ज्यादा प्रभावित करेगी, जबकि दक्षिण (गया, आरा) में भी 11-13°C के आसपास न्यूनतम तापमान रहेगा। प्रदूषण के कारण हाल में सांस, अस्थमा और बीपी के मरीज बढ़े हैं। हाजीपुर, पटना, भागलपुर में अदक मध्यम से खराब श्रेणी में प्रवेश कर चुकी है। नगर निगम ने सड़कों पर जल छिड़काव बढ़ा दिया है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दिसंबर के पहले सप्ताह तक कड़ाके की सर्दी नहीं पड़ेगी, लेकिन पछुआ का असर तीन दिनों तक रहेगा। लोगों को गर्म कपड़े, मास्क पहनने और सुबह-शाम बाहर कम निकलने की सलाह दी गई है। किसानों को फसल सुरक्षा और यात्रियों को धीमी ड्राइविंग की हिदायत दी गई है। IMD लगातार निगरानी रख रहा है।

म्यूटेशन प्रक्रिया में होगा सुधार, भू-स्वामियों को जल्द मिलेगी सुविधा

■ **पदभार ग्रहण करने के बाद डिप्टी सीएम ने की घोषणा**

एजेंसी। पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज अपना कार्यभार संभाला। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। कहा कि पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यप्रणाली पहली प्राथमिकता है। आमजनों में जागरूकता के लिए प्रकाशित दोनों बिहारभूमि पुस्तक और राजस्व शब्दावली की उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को पुराना सचिवालय स्थित मंत्री कक्ष में कार्यभार ग्रहण किया। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा का स्वागत अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह व सचिव जय सिंह ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। इस दौरान विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित थे। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह ने विभाग में संचालित प्रमुख योजनाओं, प्रगतिशील कार्यों एवं भविष्य की प्राथमिकताओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यभार संभालने के बाद उप मुख्यमंत्री ने अपनी प्राथमिकताओं और कार्ययोजना को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राज्य के आम नागरिकों और भू-धारियों को पारदर्शी, संवेदनशील, समावेशी तथा प्रो-एक्टिव राजस्व प्रशासन उपलब्ध कराना विभाग की शीर्ष प्राथमिकता होगी। इस दौरान माननीय उप मुख्यमंत्री ने म्युटेशन प्रक्रिया को लेकर आम लोगों को हो रही परेशानी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस दिशा में व्यापक सुधार किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को त्वरित और सुविधाजनक सेवा मिल सके। साथ ही अंचल कार्यालय से लेकर विभागीय मुख्यालय तक कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त और नागरिक-केंद्रित बनाने पर भी बल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में लैंड रिकॉर्ड को पूरी तरह त्रुटिमुक्त, डिजिटल और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में विभाग तेज कदम उठाएगा। अवैध गतिविधियों तथा उन्हें संरक्षण देने वाली शक्तियों के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए भू-माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजस्व संग्रह को राज्य के बजट का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि राजस्व वृद्धि भी विभाग का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। केंद्र सरकार के साथ बेहतर तालमेल बनाकर लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन कार्यक्रम को और गतिशील व प्रभावी बनाने की दिशा में भी निरंतर कार्य होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों के लिए आवश्यक भू-अर्जन प्रक्रिया को अधिक सुसंगत, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया जाएगा। इसके साथ ही विभाग से जुड़ी योजनाओं, सूचनाओं और नागरिक सेवाओं से संबंधित कार्यक्रमों की त्वरित और सुलभ जानकारी आमजनों तक पहुंचाना भी विभाग की प्रमुख जिम्मेदारी होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्राथमिकताओं पर दृढ़तापूर्वक कार्य कर विभाग राज्य में सुशासन, पारदर्शिता और नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने में नई मिसाल स्थापित करेगा।

पटना में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर की है। मृतक की पहचान भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली चलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। लोगों को जुटते देख अपराधी बाइक से भागने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे बाइक सवार अपराधियों को खदेड़कर पकड़ लिया। फिर क्या था, लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों अपराधियों की मौत नहीं हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामला 20 करोड़ के जमीनी विवाद का है, जिस वजह से उनकी हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। घटना के बाद पुलिस मृतक अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

कारोबारी की सुपारी किलिंग का शक

सिटी एसपी (पूर्वी) परिचय कुमार ने बताया कि इस मामले में कारोबारी की हत्या के पीछे सुपारी किलिंग का शक है. घटनास्थल से 10 से अधिक गोलियों के खोखे बरामद हुए हैं, जो अपराधियों द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग की पुष्टि करते हैं. सूत्र बताते हैं कि जमीनी विवाद करीब 20 करोड़ का बताया जा रहा, इसी विवाद के चलते हमलावरों का टार्गेट कारोबारी अशरफी सिंह को ठिकाने लगाना था, इसी मंशा के चलते हमलावरों ने अशहफी पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं. अशरफी का कत्ल करने के बाद भागने के प्रयास में हमलावर गुस्साई भीड़ के हत्थे चढ़ गए. लोगों ने दोनों हमलावरों को मौके पर इतना पीटा कि दोनों ने दम तोड़ दिया. मारे गए हमलावरों की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

एक नजर

बारात में लड़की का दुपट्टा खींचने पर जमकर मारपीट, आधे बारातियों पर केस दर्ज

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के ईशीपुर बाराहाट थाना क्षेत्र से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां छोटी सी बात पर बारात में जमकर मारपीट हुई। रविवार देर शाम झारखंड के एक गांव के लिए निकली बारात के दौरान घटना घटी। बताया गया कि बारात में रिश्तेदार, महिला और पुरुष डांस करते हुए आगे बढ़ रहे थे। सूत्रों के अनुसार, बारात मंदिर में प्रणाम करने के लिए प्रवेश कर रही थी, तभी गांव के ही दूसरे टोला के एक युवक ने बारात में शामिल एक लड़की का दुपट्टा खींच लिया। विरोध करने पर आरोपी ने नाबालिग लड़की को धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद लड़की भागने लगी, इसी क्रम में आरोपी युवक के परिवार की महिलाएं भी बारातियों पर टूट पड़ीं। घटना और बढ़ गई जब उसी टोला के अन्य लोग लाठी-डंडे लेकर बारातियों पर टूट पड़े। इस मारपीट में कई लोगों को चोटें आईं और बारातियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना ईशीपुर थाना प्रभारी विकास कुमार और इंस्पेक्टर अरुण कुमार को मिली। थोड़ी ही देर में पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। दूल्हे के पिता ने घटना के संबंध में थाना में लिखित आवेदन देकर 8 नामजद और लगभग 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि मारपीट के दौरान बाराती गाड़ी छोड़कर भाग गए, और दूल्हे की गाड़ी में रखा जेवर आरोपी ने चोरी कर लिया। दूल्हे ने पुलिस को बताया कि उनके भाई का चांदी का ब्रेसलेट, सिकड़ी और बारात में शामिल लड़की की गले की चेन चोरी हो गई। पुलिस ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद सभी बाराती डरे-सहमे हुए हैं और इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं शादी-शादी में सुरक्षा और अनुशासन की कमी को उजागर करती हैं। पुलिस और प्रशासन ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह की हिंसा या आपसी विवाद में शामिल होने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना में लड़की की मिली लाश मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

पटना। पटना के कदम कुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत नाला रोड में की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक अज्ञात किशोरी की लाश मिलने की खबर आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई। रोजाना की तरह सुबह के समय स्थानीय लोग अपने काम-धंधे में जुट रहे थे कि तभी एक युवक पौधे में पानी देने के लिए नाला रोड किनारे पहुंचा। जैसे ही उसने वहां नजर डाली, उसे झाड़ियों के पास एक किशोरी का शव दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर वह हक्का-बक्का रह गया और तुरंत शोर मचाते हुए आसपास के लोगों को बुलाने लगा। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में दहशत का माहौल फैल गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत कदम कुआं थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पुलिस को शव पर कोई गंभीर चोट के निशान नहीं मिले हैं, लेकिन किशोरी की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि मृतका की उम्र लगभग 15 से 17 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है कि क्या किसी ने उस किशोरी को पहले आसपास देखा था या इलाके में किसी संदिग्ध गतिविधि का पता चला था। शव मिलने की खबर के बाद नाला रोड पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लोग तरह-तरह के कयास लगाने लगे। कुछ लोगों ने आशंका जताई कि किशोरी को कहीं और से लाकर यहां फेंका गया होगा, वहीं कई लोग इसे अपराध का मामला भी बता रहे थे। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इंकार किया है।

जदयू के वरिष्ठ विधायक को बनाया गया प्रोटेम स्पीकर, राजभवन में दिलाई गई शपथ

एजेंसी। पटना

जेडीयू विधायक नरेंद्र नारायण यादव को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है. आज राजभवन में राज्यपाल ने उन्हें पद की शपथ दिलाई. अब नरेंद्र नारायण यादव सभी 243 विधायकों को शपथ दिलाएँगे. बता दें, नरेंद्र नारायण यादव की पूर्व की सरकार में बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष थे. इसके पहले वे नीतीश कैबिनेट में मंत्री की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. नरेंद्र नारायण यादव जेडीयू के वरिष्ठ नेता हैं, और आलमनगर से लगातार जीतते आ रहे हैं. वरिष्ठता के मद्देनजर सरकार ने इनका नाम प्रोटेम स्पीकर के लिए भेजा था. नरेंद्र नारायण यादव 1995 से आलमनगर से विधायक हैं. वे आठवीं बार जीत दर्ज कर विधायक बने हैं. उन्होंने 1967 में बचपन में ही राजनीति में करियर शुरू कर दिया था, जेपी आंदोलन में भी शामिल रहे हैं. वैसे, प्रोटेम शब्द लैटिन भाषा के शब्द प्रो टैम्पोर लिया गया है. इसका मतलब होता है ह्यकुछ समय के लिएह्न. यानी ये स्पीकर कुछ समय के लिए नियुक्त किए जाते हैं. प्रोटेम स्पीकर को राज्यपाल चुनता है. प्रोटेम स्पीकर को ऐसी स्थिति में चुना जाता है जब तक लोकसभा या विधानसभा अपना स्थायी विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) नहीं चुन लेती है. प्रोटेम स्पीकर नए जीते हुए विधायकों- सांसदों को शपथ दिलवाता है. सीधे शब्दों में कहें तो शपथ ग्रहण का पूरा कार्यक्रम इन्हीं की देखरेख में किया जाता है।

बहन की शादी से लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत, कोहरे के कारण 15 फीट खाई में गिरा

एजेंसी/सहरसा

सहरसा के बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। सोमवार को करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को नदी से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान सलखुआ थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 निवासी 23 वर्षीय गौरव कुमार के रूप में हुई है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि गौरव बीते रविवार को अपनी चचेरी बहन की शादी में शामिल होने बनमा ईटहरी आया हुआ था। लौटने के दौरान उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई और वह नदी में गिर गया। बनमा ईटहरी थानाध्यक्ष खुशबू कुमारी ने बताया कि सोमवार सुबह सूचना मिली कि गैस गोदाम से लगभग 100 मीटर की दूरी पर 15 फीट गहरी खाई में बाइक सवार दो लोग नदी में गिर गए हैं। इनमें से एक व्यक्ति तैरकर बाहर निकल आया, जबकि दूसरा युवक गौरव कुमार लापता हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से खोज शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद गौरव का शव बरामद किया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। गौरव के चाचा जयराम यादव ने बताया कि सोमवार अहले सुबह करीब 4 बजे गौरव बाइक से घर लौट रहा था। अत्यधिक कोहरे के कारण वह राइट टर्न लेने की बजाय सीधा आगे बढ़ गया, जिससे बाइक 15 फीट गहरी खाई में नदी के अंदर जा गिरी। इसी हादसे में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश, गांधी मैदान थाना क्षेत्र से 13 बाइक बरामद, 6 चोर को पुलिस ने दबोचा

एजेंसी/पटना

पटना पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। चोरी की कुल 13 बाइकें बरामद की गयी है वही 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गांधी मैदान थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बड़े चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। महज कुछ ही घंटों में पुलिस ने चोरी की गई 13 मोटरसाइकिलें बरामद कर ली हैं। कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति की स्पष्ट तस्वीर मिली। फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी में शामिल अपने अन्य साथियों के नाम और ठिकाने का खुलासा किया। इसके बाद पुलिस ने लगातार छापेमारी अभियान चलाते हुए गिरोह के 5 अन्य सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से कुल 13 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

पुलिस के अनुसार यह गिरोह लंबे समय से शहर के विभिन्न इलाकों में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा था। एसपी दिक्षा ने जानकारी देते हुए कहा कि त्वरित कार्रवाई और तकनीकी निगरानी की बदौलत चोरी का बड़ा नेटवर्क पकड़ा गया है। आगे भी शहर में वाहन चोरी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सभी गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में एसिड ब्लास्ट, चार सफाईकर्मी घायल

एजेंसी। समस्तीपुर

समस्तीपुर के केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कचरे के ढेर के पास रखी एसिड से भरी शीशे की बोतल अचानक फट गई। हादसे में चार सफाईकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी घायलों को पहले अनुमंडलीय अस्पताल पूसा में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। घटना प्लांट पैथोलॉजी और लाइब्रेरी भवन के बीच स्थित कचरा निष्पादन स्थल के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, डस्टबिन के समीप 10 लीटर क्षमता का एक केमिकल टैंक रखा हुआ था,

जो अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट के समय सफाईकर्मी उसी स्थान पर काम कर रहे थे। घायलों की पहचान सीताराम साहनी, सज्जन पासवान, सौरभ कुमार और लक्ष्मण मंडल के रूप में हुई है। इनमें लक्ष्मण मंडल की स्थिति बेहद गंभीर बताई जा रही है। चारों मजदूर चक मेइंसी थाना क्षेत्र के सिमरी गांव के रहने वाले हैं। इनमें से सीताराम साहनी 10 वर्षों से अधिक समय से यहां कार्यरत थे, जबकि बाकी तीन मजदूर पिछले 6 वर्षों से अनुबंध पर विश्वविद्यालय में काम कर रहे थे।

चारों मजदूर चक मेइंसी थाना क्षेत्र के सिमरी गांव के रहने वाले हैं

घटना प्लांट पैथोलॉजी और लाइब्रेरी भवन के बीच स्थित कचरा निष्पादन स्थल के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, डस्टबिन के समीप 10 लीटर क्षमता का एक केमिकल टैंक रखा हुआ था, जो अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट के समय सफाईकर्मी उसी स्थान पर काम कर रहे थे। घायलों की पहचान सीताराम साहनी, सज्जन पासवान, सौरभ कुमार और लक्ष्मण मंडल के रूप में हुई है। इनमें लक्ष्मण मंडल की स्थिति बेहद गंभीर बताई जा रही है। चारों मजदूर चक मेइंसी थाना क्षेत्र के सिमरी गांव के रहने वाले हैं। इनमें से सीताराम साहनी 10 वर्षों से अधिक समय से यहां कार्यरत थे, जबकि बाकी तीन मजदूर पिछले 6 वर्षों से अनुबंध पर विश्वविद्यालय में काम कर रहे थे।

बोतल में रखा एसिड अचानक फट गया : विश्वविद्यालय के कर्मचारी अजय कुमार ने बताया कि सफाई का काम चल रहा था और कचरा डस्टबिन से बाहर निकाला जा रहा था। इसी दौरान एक बड़ी शीशे की बोतल में रखा एसिड अचानक फट गया, जिससे चारों मजदूर बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि इससे एक दिन पहले भी एक मजदूर यहां घायल हुआ था, जिसका पैर टूट गया था। सदर एसडीपीओ संजय पांडे ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में एक नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा था, जिसमें सात लैब बने हुए हैं। पूछताछ में पता चला कि यह एसिड या केमिकल शनिवार को कचरे के ढेर के पास रखा गया था। घटना के समय कुल चार सफाईकर्मी काम कर रहे थे, तभी अचानक विस्फोट हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाया जा रहा है कि एसिड वहां कैसे और किसकी लापरवाही से रखा गया था।

अपराधियों में पुलिस का इकबाल खत्म, दरभंगा के बाद अब मधुबनी में लूट की बड़ी वारदात

एजेंसी/मधुबनी

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद आपराधिक घटनाएं तेजी से बढ़ी है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही थी कि सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनने के बाद क्राइम कम होगा, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है। अपराधियों में पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है। यही कारण है कि अपराधी एक के बाद एक आपराधिक वारदातों को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं और पुलिस को चुनौती देने का काम कर रहे हैं। मोतिहारी में मुकेश सहनी के पार्टी के नेता की हत्या कर दी गयी वही पटना में ट्रिपल मर्डर से सनसनी फैल गयी। वही दरभंगा में 3.5 लाख रुपये की लूट सीएसपी संचालक से की गयी, अब अपराधियों ने मधुबनी में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। मधुबनी में पेट्रोल पंप कर्मी से 8 लाख रुपये लूट लिया। एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। पीड़ित अब पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बिहार में मधुबनी के जयनगर थाना क्षेत्र स्थित कमला पुल के पास हथियारबंद अपराधियों ने एक पेट्रोल पंप कर्मी से 8 लाख रुपए की लूट लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। इस मामले को लेकर जयनगर के एसडीपीओ राघव दयाल के नेतृत्व में जांच टीम का गठन किया गया। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

सुभाषितम्

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं। - स्वामी विवेकानंद

क्रिप्टो करेंसी, रिश्वत और ट्रंप अमेरिका का महा-घोटाला?

दुनिया भर में क्रिप्टो मार्केट की हालिया गिरावट ने एक बार फिर इस सवाल को मजबूती से खड़ा कर दिया है। क्या यह पूरा ढांचा नई डिजिटल करेंसी का वित्तीय नवाचार है, या वैश्विक स्तर पर फैलता हुआ एक अनियंत्रित वित्तीय घोटाला है। पिछले एक महीने में क्रिप्टो मार्केट से लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर गायब हो चुके हैं। यह रकम अकेले भारत की अर्थव्यवस्था के 25प्रतिशत के बराबर है। इस वैश्विक आर्थिक भूचाल की सबसे तीखी बहस अमेरिका में छिड़ गई है। अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी को लेकर कई आरोप सामने आ रहे हैं। क्रिप्टो को लेकर अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नई बहस शुरू हो गई है। क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो मार्केट की गतिविधियां महज बाजार की अस्थिरता नहीं है। बल्कि सत्ता, राजनीति और निजी लाभ के लिए एक खतरनाक खेल खेला जा रहा है। जिसमें बड़े-बड़े राजनेता और बड़े-बड़े पूंजीपति एक ओर रिश्वत की रकम लेने का एक नया सिस्टम बना रहे हैं, तो वही दूसरी ओर आम आदमियों को क्रिप्टो करेंसी के जाल में फंसाकर लूट का एक नया बाजार तैयार कर रहे हैं। क्योंकि इसमें दुनिया के कई देशों के राजनेता और बड़े-बड़े पूंजीपति शामिल हैं। इसलिए आम जनता भी इसमें फंसती चली जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्रिप्टो समर्थक रहे हैं। उन्होंने न केवल क्रिप्टो को भविष्य की अर्थव्यवस्था बताया है, बल्कि अपने नाम से कॉइन लॉन्च कर इस कारोबार में अपने परिवार को शामिल कर इसे नई हवा दी है। पिछले कुछ महीनो से क्रिप्टो करंसी से भारी धन कमाने का आरोप डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार पर लगने लगा है। ट्रंप पर यह आरोप है, कि कई विवादित व्यक्तियों ने ट्रंप को क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से भारी धन ट्रांसफर कर अमेरिका में जो मुकदमे क्रिप्टो बिलियनेयर्स या एक्सचेंज मालिकों पर मनी लॉन्ड्रिंग, सिक्योरिटी फ्रॉड या डार्क-वेब गतिविधियों के चल रहे थे, उन्हें ट्रंप के शासनकाल में राष्ट्रपति से क्षमादान मिल गया है। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म में यह सवाल फैल गया है, क्या क्रिप्टो निवेश के नाम पर अमेरिका में राजनीतिक सौदेबाजी हुई है? कई विश्लेषक यह तर्क दे रहे हैं, ट्रंप के निजी व्यावसायिक उपक्रमों में क्रिप्टो के माध्यम से भारी निवेश पिछले 10 महीनो में किया गया है। इसमें ट्रंप के परिवार को फायदा हुआ है। अमेरिका के हितों को नुकसान हुआ है। इस पर गंभीर सवाल अमेरिका में खड़े हो रहे हैं। कोई कंपनी या व्यक्ति राष्ट्रपति के व्यवसाय में करोड़ों-अरबों डॉलर निवेश करता है, कुछ ही समय बाद उसके खिलाफ जांच या कानूनी कार्रवाई कमजोर पड़ जाती है, या उसे माफी दे दी जाती है। तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। यहीं से यह आशंका जन्म लेती है, क्रिप्टो एक ह्लडिजिटल दानपत्रह्व बन गया है? जहां निवेश का असली स्त्रोत, उद्देश्य और फायदा सब छिप जाता है। क्रिप्टो के माध्यम से किए हुए निवेश का सोर्स का पता लगाना एक तरह से नामुमकिन है। अमेरिकी कांग्रेस में अब यह चर्चा तेज हो गई है। क्रिप्टो के जरिये चुनावी फंडिंग को नियंत्रित करना सरकार के लिए लगभग असंभव है। विदेशों के निवेशक, विवादित कारोबारी या कोई भी गुमनाम इकाई आसानी से क्रिप्टो करंसी के डिजिटल टोकन खरीदकर उसके माध्यम से सक्षम प्राधिकारी को देकर राजनीतिक शरण हासिल कर सकती है। यही कारण है, आर्थिक विशेषज्ञ इसे अमेरिकी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा मानने लगे हैं। क्रिप्टो करंसी का मुख्य उद्देश्य बताया गया था, आर्थिक आजादी, पारदर्शिता और नई तकनीक अर्थव्यवस्था की मजबूती। लेकिन अब इसकी जो हकीकत, सामने आ रही है उसमें राजनेताओं से मिलकर, उन्हें क्रिप्टो करेंसी में रिश्वत देकर अपने पक्ष में फैसला कराने के लिए क्रिप्टोकरंसी का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। जिसके कारण कई देशों में क्रिप्टोकरंसी को अविश्वास और भ्रष्टाचार के नए रूप में देखा जा रहा है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आईआईटीएफ 2025: सांस्कृतिक वैभव का उत्सव

- योगेश कुमार गोयल

14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। प्रगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्व की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को ह्यआत्मनिर्भर भारत का उत्सवह्व कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दशार्ता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है। विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है। भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को ह्यफोकस स्टेटह्व का विशेष दर्जा दिया गया है। इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है। यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है। मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हस्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में ह्यसरस मेलाह्व देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दशार्ती हैं। यह मेला वास्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रस्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फोक फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है। साथ ही, भारतीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद हर आगंतुक के लिए इस मेले के अनुभव को अविस्मरणीय बना देते हैं। प्रगति मैदान जैसे विशाल परिसर में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष विशेष प्रबंध किए गए हैं। हर हॉल के पास फर्स्ट एड बूथ, मेडिकल सुविधाएं, दर्जनों एंबुलेंस और पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। 245 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती, 16 बाइक पैट्रोल टीमें, 15 क्रेन और तीन आपदा प्रबंधन वाहन मेले की भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यातायात नियंत्रण कक्ष और सोशल मीडिया पर लगातार जारी की जा रही ट्रैफिक एडवाइजरी सुनिश्चित करती है कि कोई भी आगंतुक परेशानी का सामना न करे। टिकट व्यवस्था की बात करें तो 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए सामान्य दिनों में 80 रुपये और सप्ताहांत पर 150 रुपये का टिकट रखा गया है। बच्चों के लिए टिकटें 40 और 60 रुपये हैं जबकि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। टिकट दिल्ली मैट्रो स्टेशनों और आईटीपीओ की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हैं। आवागमन के लिए दिल्ली मैट्रो सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट मैट्रो स्टेशन सीधे भारत मंडपम के प्रवेश द्वार तक पहुंच प्रदान करता है। गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 से आगंतुकों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया है जबकि अन्य द्वारों पर प्रवेश प्रतिबंधित है। ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए प्रगति मैदान के आसपास कई मार्गों में बदलाव किए गए हैं, इसलिए सलाह दी जाती है कि वाहन से आने वाले लोग पार्किंग संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। बेसमेंट पार्किंग और राष्ट्रीय स्टेडियम पार्किंग में बड़े पैमाने पर वाहन पार्किंग की सुविधा है। कुल मिलाकर, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि यह उन लाखों लोगों का साझा मंच है, जो भारत के सपनों, संभावनाओं, उद्यमिता, नवाचार और सांस्कृतिक गौरव को साथ लेकर चलते हैं। यह मेला बताता है कि भारत न केवल दुनिया से सीख रहा है बल्कि दुनिया को बहुत कुछ सिखाने की क्षमता भी रखता है।

अपनी सोच खुद बदले तो दुनिया बदल जाएगी

-संजय गोस्वामी

हम आपकी सोच बदलना नहीं चाहते, बल्कि आपको यूनिवर्स के हमेशा रहने वाले नियमों के बारे में बताना चाहते हैं, ताकि आप वो बन सकें जो आप बनने आए हैं। क्योंकि कोई और आपके लिए ये अनुभव नहीं ला सकता की आखिर परमात्मा है क्या । आपको यह खुद करना होगा। हम यहां आपको किसी भी चीज पर यकीन दिलाने नहीं आए हैं; क्योंकि आप किसी भी ऐसी चीज पर यकीन नहीं कर सकते जिस पर हम आपकी बात से सहमत न हों। जब हम इस शानदार फिजिकल दुनिया, पृथ्वी को देखते हैं, तो हमें यहां बहुत सारी अलग-अलग चीजें दिखती हैं, और इस सारी अलग-अलग चीजों में एक बैलेंस है। हम आपको ये यूनिवर्सल नियम बहुत आसान तरीके से समझाएंगे। इसके अलावा, हम आपको प्रैक्टिकल स्टेप्स भी दिखाएंगे जो आप इन नियमों का इस्तेमाल करके जो कुछ भी पाना चाहते हैं, उसे पाने के लिए उठा सकते हैं। हालांकि हम जानते हैं कि आप इस क्रिएटिव कंट्रोल को सीखकर जल्द ही अपनी ज़िंदगी के अनुभव खोज लेंगे, हम जानते हैं कि आपके लिए सबसे जरूरी चीज वह आजादी होगी जो आपको एक्सेप्टेंस की कला का इस्तेमाल करना सीखने के बाद मिलेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि आप यह सब पहले से ही जानते हैं। हमारा काम बस आपको यह सब फिर से याद दिलाना है। अंदर से, आप इससे पहले से ही वाकिफ हैं। हमें उम्मीद है कि जब आप ये शब्द पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि अगर आप चाहें तो अपने असली रूप को पहचानने के लिए स्टेप-बाय-स्टेप गाइडेंस पाने की जरूरत है। हम चाहते हैं कि आप दुनिया में अपनी असलियत को फिर से समझें, क्योंकि यह उन सभी विचारों का सेंटर है जो अपने हर विचार, शब्द और काम से यूनिवर्स पर असर डालते हैं। आप सिर्फ. अपने होने को घटना को बचाने की कोशिश करने वाले जीव नहीं हैं, बल्कि बनाने वाले हैं, और इस यूनिवर्स की सभी ताकतें आपके नहीं किसके कंट्रोल में हैं। हम चाहते हैं कि आप अपनी अहमियत को पहचानें। इसे न समझने पर आप उस विरासत से दूर हो जाएंगे जो हम आपको देते हैं: तीन हमेशा रहने वाले यूनिवर्सल नियम, जिन्हें हम आपको अच्छी तरह समझाना चाहते हैं, ताकि आप अपनी ज़िंदगी के फिजिकल बिहेवियर में पूरी उम्मीद, इमोशन और सैटिस्फैक्शन के साथ उनका इस्तेमाल कर सकें। लॉ ऑफ अट्रैक्शन इन नियमों में से पहला है। अगर आप इस लॉ ऑफ अट्रैक्शन को अच्छे से नहीं समझते या इस्तेमाल नहीं करते हैं, तो आप सेकंड लॉ, यानी होश में बनाने का साइंस, या थर्ड लॉ, यानी एक्सेप्टेंस की कला का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। सेकंड लॉ को समझने और इस्तेमाल करने से पहले आपको फर्स्ट लॉ को अच्छी तरह समझना और इस्तेमाल करना होगा। इसी तरह, तीसरे लॉ को समझने और इस्तेमाल करने से पहले आपको दूसरे लॉ को समझना और इस्तेमाल करना होगा। इस पहले लॉ को लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। जो चीजें एक जैसी होती हैं, वे अट्रैक्ट होती हैं। भले ही यह बहुत आसान लगे, लेकिन यह यूनिवर्स का सबसे पावरफुल लॉ है। एक ऐसा लॉ जो हर समय सभी चीजों पर लागू होता है। ऐसा कुछ भी नहीं है जो इस पावरफुल लॉ से बचा हो। दूसरा लॉ, कॉन्शस क्रिएशन का साइंस, कहता है: ह्लमैं उस बारे में सोचता हूँ जिस पर मुझे विश्वास है या जिसे पाने की उम्मीद है।ह्व शॉर्ट में, आप जो भी सोचते हैं, वह आपको मिलता है, चाहे आपको वह पसंद हो या न हो। कॉन्शस क्रिएशन का साइंस असल में आपके विचारों का कॉन्शस इस्तेमाल है। अगर आप इस रूल को बिना समझे इस्तेमाल करते हैं, तो आप इसे अपने आप बना लेंगे। तीसरा रूल, एक्सेप्टेंस की कला, कहता है–मैं जैसा हूँ वैसा ही एक्सेप्ट करता हूँ, और मैं बाकी सभी को वैसे ही एक्सेप्ट करता हूँ जैसे वे हैं। जब आप दूसरों को उनकी अभी की हालत में एक्सेप्ट करते हैं, तो आप एक्सेप्टर बन जाएँगे, भले ही वे ऐसा न करें। लेकिन आप इस पॉइंट तक तब तक नहीं पहुँच सकते जब तक आप यह नहीं समझ लेते कि आप जो कुछ भी पा रहे हैं, उसे आप किसे दे रहे हैं। जब आप यह समझ जाते हैं कि कोई दूसरा इंसान आपके अनुभव का हिस्सा तब तक नहीं बन सकता जब तक आप उन्हें अपने विचारों (या अपने ध्यान) से न बुलाएँ। इसी तरह, सभी हालात आपके अनुभव का हिस्सा तभी बन सकते हैं जब आप उन्हें अपने विचारों (या अपने ऑब्जर्वेशन) से बुलाएँ। भगवान श्री राम ही सर्व शक्तिमान हैं क्योंकि उनमें जोड़ने की अद्भुत कला है जैसे लंका तक जाने के लिए भगवान श्री राम का नाम लिखकर नल औ? नील ने उस पत्थर में समुद्र में जैसे ही फेंका पत्थर आपस में जुड़ने लगी ऐ है राम के नाम की ताकत के बारे में बात कर रहा हूँ आइजैक न्यूटन का बनाया हुआ ग्रेविटेशनल फोर्स का नियम कहता है कि यूनिवर्स में हर चीज दूसरी चीज को एक ऐसे फोर्स से अट्रैक्ट करती है जो उनके मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल और उनके सेंटर के बीच की दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। यह फोर्स अट्रैक्टिव होता है और दो चीजों के सेंटर को जोड़ने वाली लाइन के साथ काम करता है। मैथमेटिकल फॉमूर्ला फॉमूर्ला: ग्रेविटेशनल फोर्स के आइजैक न्यूटन का बनाया हुआ ग्रेविटेशनल फोर्स का नियम कहता है कि यूनिवर्स में हर चीज दूसरी चीज को एक ऐसे फोर्स से अट्रैक्ट करती है जो उनके मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल और उनके सेंटर के बीच की दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। यह फोर्स अट्रैक्टिव होता है और दो चीजों के सेंटर को जोड़ने वाली लाइन के साथ काम करता है। मैथमेटिकल फॉमूर्ला फॉमूर्ला: ग्रेविटेशनल फोर्स फॉमूर्ले का इस्तेमाल करके कैलकुलेट किया जाता है।

डिजिटल हिंसा रोकें महिलाओं को सशक्त बनाएं

- दिलीप कुमार पाठक

महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा दुनिया में सबसे प्रचलित और व्यापक मानवाधिकार उल्लंघनों में से एक है। दुनिया भर में, लगभग तीन में से एक महिला को अपने जीवन में कम से कम एक बार शारीरिक और/या यौन अंतरंग साथी हिंसा, गैर-साथी यौन हिंसा, या दोनों का सामना करना पड़ा है। यह एक ऐसा अभिशाप है जो विभिन्न परिस्थितियों में बढ़ रहा है, लेकिन इस वर्ष, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के अंतर्राष्ट्रीय दिवस का अभियान विशेष रूप से डिजिटल क्षेत्र पर केंद्रित है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज एक गंभीर और तेजी से बढ़ता खतरा है जो कई महिलाओं की आवाज को दबाने की कोशिश करता है, खासकर उन महिलाओं की जो राजनीति, सामाजिक कार्यकर्ता या पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में मजबूत सार्वजनिक और डिजिटल उपस्थिति रखती हैं। यह हिंसा का एक ऐसा रूप है जो अपर्याप्त तकनीकी कानून कुछ देशों में इस प्रकार की आक्रामकता को कानूनी मान्यता न मिलने, डिजिटल प्लेटफार्मों की दंडमुक्ति, एआई का उपयोग करके दुर्व्यवहार के नए और तेजी से विकसित होते रूपों, लैंगिक समानता का विरोध करने वाले आंदोलनों, अपराधियों की गुमनामी और डिजिटल पीड़ितों के लिए सीमित समर्थन के कारण बढ़ रहा है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर यूएनआईटीई अभियान (25 नवंबर - 10 दिसंबर) का शुभारंभ हो रहा है। 16 दिनों की सक्रियता की पहल, जिसका समापन अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) के उपलक्ष्य में होगा। महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध डिजिटल हिंसा को समाप्त करने के लिए 2025 का यह अभियान , समाज के सभी सदस्यों को संगठित करना चाहता है। सरकारों को दंडात्मक कानूनों के माध्यम से दंडमुक्ति को समाप्त करना चाहिए, प्रौद्योगिकी कंपनियों को प्लेटफार्मों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और हानिकारक सामग्री को हटाना चाहिए। दानदाताओं को धन उपलब्ध कराना चाहिए ताकि नारीवादी संगठन इस हिंसा को समाप्त करने के लिए काम कर सकें। और लोगों को भी पीड़ितों की मदद के लिए अपनी आवाज उठानी चाहिए। महिलाओं और लड़कियों का पीछा करने, उन्हें परेशान करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। अंतरंग तस्वीरों का गैर-सहमतिपूर्ण साझाकरण - जिसे अक्सर रिवेंज पोर्न या लीक्ड न्यूड कहा जाता है। साइबर धमकी, ट्रोलिंग और ऑनलाइन धमकियाँ। ऑनलाइन उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न। एआई द्वारा उत्पन्न डीपफेक जैसे कि यौन रूप से स्पष्ट चित्र, डीपफेक पोर्नोग्राफी, और डिजिटल रूप से हेरफेर की गई छवियां, वीडियो या ऑडियो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभद्र भाषा और गलत सूचना। डोक्सिंग यानि निजी जानकारी प्रकाशित करना। किसी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ऑनलाइन पीछा करना या निगरानी/ट्रैकिंग करना। ऑनलाइन ग्रूमिंग और यौन शोषण। महिला विरोधी नेटवर्क - जैसे मैनोस्फीयर , इनसेल फोरम। ये कृत्य सिर्फ.ऑनलाइन ही नहीं होते, ये अक्सर वास्तविक जीवन में भी ऑफलाइन हिंसा का कारण बनते हैं, जैसे जबरदस्ती, शारीरिक शोषण, और यहाँ तक कि महिलाओं और लड़कियों की हत्या भी।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं।

तुला आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नए स्रोत बनेंगे।

वृषभ दिन पारिवारिक जनों के साथ बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्ष वर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा।

वृश्चिक आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी।

मिथुन मिथुन राशि के लोगों को किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी।

धनु आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराएगा। इससे कर्क राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। पहले के मुकाबले अधिक सुदृढ़ होगी।

सिंह सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

कुंभ आज पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

कन्या कार्यक्षेत्र में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी।

मीन आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बढ़ती प्रोग्रेस से खुशी होगी।

विशेष

40 के ऊपर वाले कामगारों का होगा हेल्थ चेकअप?

भारत सरकार ने नवीन श्रम संहिता कानून को लागू कर दिया है। नए कानून के अनुसार जो कामगार कार्यरत होंगे। उनके नियोक्ता को हर साल अपने श्रमिकों का हेल्थ चेकअप कराना पड़ेगा। उन्हें ग्रेच्युटी भी देनी पड़ेगी। यह सुविधा बेरोजगारों को कैसे मिलेगी, इस बारे में सरकार ने कानून में कुछ नहीं कहा है। 10 से कम मजदूरों वाले नियौक्ता के ऊपर भी अब यह श्रम कानून लागू हो गया है। ऐसी स्थिति में अब छोटे-मोटे कारोबार अपने आप बंद हो जाएंगे। जो अपने परिवार का गुजारा नहीं कर पा रहे हैं। वह नए कानून के अनुसार श्रमिकों की जिम्मेदारी कैसे ले पाएंगे। यह बात सरकार और भगवान ही जानते हैं। श्रमिक की किस्मत भगवान ने लिखकर भेजी है। आखिर सरकार उसे बदल भी कैसे सकती है।

कमाई दान करेंगे पीके

बिहार की जन स्वराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने घोषणा की है।वह दिल्ली का अपना घर छोड़कर सारी संपत्ति पार्टी को दान करेंगे। आगे जो कमाई होगी, उसका 90 फीसदी हिस्सा पार्टी को दान करेंगे। पीके ने अगले 5 साल के लिए अपनी पार्टी में काम करने का फैसला किया है। पार्टी के सुप्रीमो वही हैं। कमाई को पार्टी में दान करने पर इनकम टैक्स भी नहीं देना पड़ेगा। खर्चा भी अपने हिसाब से कर सकेंगे। इससे ज्यादा समझदारी का कोई निर्णय हो नहीं सकता है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने लोगों से कहा है, पार्टी फंड के लिए कम से कम ?1000 का दान जरूर करें।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1542: जेम्स पंचम के नेतृत्व में स्काटिश फौजों को सोल्वेमास की लड़ाई में इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। 1758: ब्रिटिश फौजों ने सेनेगल पर अधिकार कर लिया। 1948: राष्ट्रीय कैडेट कोर की स्थापना हुई। 1965: कांगो के राष्ट्रपति जोसेफ कासावुवु को जनरल जोसेफ मोबुतु ने सत्ता से हटा दिया। 1967: जहरीली डबल रोटी खाने से कोलंबिया में 65 व्यक्तियों की मौत हो गयी। 1972: न्यूजीलैंड में लेबर पार्टी को चुनावों में भारी सफलता मिली। 1973: यूनान में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया। 1975: सूरीनाम स्वतंत्र हुआ था। 1987: हैती में चुनावों में गड़बड़ी फैलाने के आरोप में बंदूकधारियों की लोगों ने हत्या कर दी।

दैनिक पंचांग

25 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

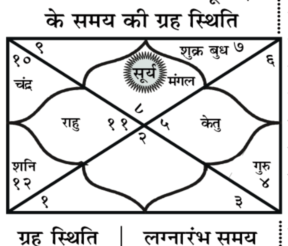

मंगलवार 2025 वर्ष का 329 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 22.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 23.58 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 12.50 बजे को समाप्त।
करण बव 10.13 बजे तदनन्तर बालव 22.58 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 45'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872539
जूलियन दिन 2461004.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 03
विशेष विवाह पंचमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	08.00 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	10.05 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.52 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.25 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.55 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.47 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	23.03 बजे से
राहुकाल		कन्या	01.15 बजे से
3.00 से 4.30		तुला	03.26 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	05.40 ब.से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

डीएसपीएमयू में ताला: छात्रों ने वीसी और अधिकारियों को दी श्रद्धांजलि

रांची, एजेंसी। डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची में प्रति सेमेस्टर शुल्क नीति के खिलाफ छात्रों का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को विश्वविद्यालय बंद रहने के बावजूद विभिन्न छात्र संगठनों ने कैंपस में प्रदर्शन किया।न्यू एकेडमिक बिल्डिंग में कुलपति, रजिस्ट्रार, प्रॉक्टर और डीएसडब्ल्यू के फोटो पर श्रद्धांजलि अर्पित कर छात्रों ने प्रशासन की नीति पर विरोध जताया। यह कार्यक्रम आदिवासी छात्र संघ के नेतृत्व में हुआ, जिसमें मूलनिवासी विद्यार्थी संघ, आइसा, और छात्र राष्ट्रीय जनता दल ने मिलकर संयुक्त रूप से भाग लिया रविवार के अवकाश के बावजूद कैंपस में प्रदर्शनकारी छात्र डटे रहे। संगठनों का कहना है कि शुल्क नीति छात्रों के हितों के खिलाफ है और इसे वापस लेने तक कैंपस स्तर पर तीव्र आंदोलन जारी रहेगा।छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन बातचीत और समाधान की दिशा में कदम नहीं उठाता, तो आंदोलन को अगले चरण में ले जाया जाएगा। इधर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कहा है कि 3 साल पहले लागू शुल्क का आज विरोध करना समझ से परे है। धरना-प्रदर्शन का चौथा दिन है। जब तक प्रति सेमेस्टर शुल्क नीति वापस नहीं ली जाती है तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जेल से निकलते ही सन्नी ने दिखायी दबंगई, की फायरिंग, हुआ गिरफ्तार

जमशेदपुर , एजेंसी। घाघीडीह जेल से बाहर आने के साथ ही जुगसलाई थानांतर्गत आरपी पटेल स्कूल के पास फायरिंग करने के मामले में जुगसलाई पुलिस ने सन्नी सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। घाघीडीह जेल से बाहर आने के साथ ही जुगसलाई थानांतर्गत आरपी पटेल स्कूल के पास फायरिंग करने के मामले में जुगसलाई पुलिस ने सन्नी सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से हथियार भी बरामद किया है। वहीं सन्नी सरदार का दोस्त रॉकी मिश्रा और राहुल सिंह उर्फ अंकित पाई मौके से फरार हो गया। घटना शनिवार की रात करीब आठ बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार सन्नी शनिवार की दोपहर में ही जेल से बाहर निकला था। जेल से बाहर निकलने के बाद वह अपना दबदबा बनाने को लेकर आरपी पटेल स्कूल के पास घूम रहा था। उसी दौरान प्रदीप नामक युवक से बहस होने के बाद सन्नी ने पिस्तौल निकाल तोबड़तोड़ दो राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद मौके पर भगदड़ मच गयी। उसके बाद सन्नी हथियार लहराते हुए अपने साथियों के साथ फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गयी। पुलिस ने देर रात को ही सन्नी को गिरफ्तार कर लिया।कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत सिंह ने बताया कि शनिवार की शाम को सन्नी सरदार, राहुल सिंह उर्फ अंकित पाई और रॉकी मिश्रा ने पिस्टल दिखाकर उसे धमकी दी थी। इस दौरान सन्नी ने एक राउंड फायरिंग भी की थी। इस संबंध में अभिजीत सिंह ने जुगसलाई थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी है। अभिजीत ने बताया कि शनिवार को वह अपनी कार से जा रहे थे। उसी दौरान तीनों ने उन्हें रोक कर पिस्टल दिखाकर धमकी दी थी।पुलिस ने बताया कि सन्नी सरदार के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। नया बाजार में कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत सिंह व भीड़ पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने के मामले में सन्नी पर केस दर्ज है। इसके अलावा सन्नी सरदार मनीष सिंह का साथी है। सोनारी के अजय साह उर्फ टिंकू की हत्या के मामले में भी मनीष सिंह के साथ सन्नी सरदार आरोपी है।

आईबीपीएस परीक्षा में पकड़े गए बिहार के दो फर्जी उम्मीदवार, पैसे के बदले करते थे फर्जीवाड़ा

रांची, एजेंसी। तुपुदाना ओपी क्षेत्र स्थित आईओएन डिजिटल जोन में आईबीपीएस आरआरबी 14 परीक्षा के दौरान दो फर्जी उम्मीदवारों को परीक्षा शुरू होने से पहले ही पकड़ लिया गया। शिकायतकर्ता अभिषेक मिश्रा सेंटर में कमांडिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 22 नवंबर को प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान प्रवेश के समय आईडी कार्ड की जांच की जा रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को पहचान सत्यापन में मेल न खाने पर पूछताछ की गई। पूछताछ में पहले व्यक्ति ने अपना नाम रजनीश कुमार (32 वर्ष), पिता सुरेंद्र प्रसाद, पता ग्राम रतनपुरा, थाना नूरसराय, जिला नालंदा (बिहार) बताया। उसने स्वीकार किया कि वह अपने मित्र सौरभ कुमार की जगह परीक्षा देने आया था। दूसरे आरोपित ने अपना नाम शिशुपाल कुमार (34 वर्ष), पिता स्व. सुखदेव प्रसाद, पता ग्राम बड़ारा, थाना नूरसराय, जिला नालंदा (बिहार) बताया। पूछताछ में उसने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि वह पहले भी तीन परीक्षाएं दूसरों के बदले दे चुका है। इस बार वह अपनी परीक्षा देने आया था। आईबीपीएस द्वारा उपलब्ध कराए गए पूर्व रिकार्ड और साक्ष्यों में भी दोनों आरोपितों के कई परीक्षाओं में फर्जी तरीके से शामिल होने के प्रमाण पाए गए हैं। सेंटर प्रशासन ने तुरंत तुपुदाना ओपी को सूचित किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धुर्वा थाने में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जिम्मेदारी प्रमोद कुमार मिश्रा को सौंप दिया गया है।

देवघर के रिखिया आश्रम में आध्यात्मिक ऊर्जा का वैश्विक संगम, 42 देशों के श्रद्धालुओं ने पाया शांति का मार्ग

देवघर, एजेंसी। देश और दुनिया में बाबा बैद्यनाथ धाम के कारण देवघर को पहचान मिली है। लेकिन इसी पावन भूमि पर एक और अध्यात्म की धारा है, रिखिया आश्रम। यह आश्रम सिर्फ एक धार्मिक केंद्र नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उत्थान का जीवंत प्रयोग स्थल बन चुका है। जहां भारत ही नहीं, दुनिया के कोने-कोने से लोग अपनी अध्यात्म खोज पूरी करने पहुंचते हैं।

रिखिया की शांति अद्भुतः विदेशी श्रद्धालु : रिखिया में कदम रखते ही श्रद्धालु उस वातावरण से रूबरू होते हैं, जहां साधना, योग और सेवा एकाकार होकर जीवन को नई दिशा देते हैं। साउथ अफ्रीका से आई एक श्रद्धालु ने यहां पहुंचकर कहा कि रिखिया की शांति अद्भुत है, जबकि बुल्गारिया से पहुंची श्रद्धालु ने रिखिया की दिव्य अनुभूति को जीवन बदल देने वाला बताया।

स्वामी शिवानंद सरस्वती, स्वामी सत्यानंद सरस्वती, स्वामी निरंजनानंद सरस्वती और स्वामी सत्संगानंदा सरस्वती जैसे महान संतों की परंपरा ने इस आश्रम को 'मानव सेवा' के वास्तविक रूप में बदल दिया है। यहां सेवा कोई नारा नहीं, बल्कि जमीन पर उतरता हुआ सतत प्रयास है। यहां पर सेवा, प्रेम और दान का संदेश लोगों को दिया जाता है।

श्रद्धालुओं द्वारा ग्रामीणों में किया जाता है सामानों का वितरण : रिखिया और आसपास के कई पंचायतों में आश्रम की ओर से नियमित रूप से कपड़े, जूते, अनाज, ठेला-गाड़ी, गाय, बीज व अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाता है। गांव के लोग बताते हैं कि साल में तीन से चार बार होने वाले इन दान कार्यों से हजारों परिवारों को आर्थिक और सामाजिक मजबूती मिलती है।

इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आश्रम की तरफ से छोटे बच्चों को पढ़ाने के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। रिखिया आश्रम के द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अंग्रेजी और कंप्यूटर की क्लास फ्री में दी जाती है, ताकि बच्चे तकनीकी रूप से मजबूत होकर अपने जीवन को निखार सके।

वहीं आश्रम की प्रशंसा कई देश के गणमान्य लोगों ने भी की है। कई लोगों ने माना है कि इस आश्रम में लोगों को अलौकिक शक्ति की अनुभूति होती है और दान एवं सेवा के प्रति आस्था बढ़ती है। रिखिया आश्रम में आए श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां की महिमा अपरंपार है। माता शक्ति की सीधी अनुभूति रिखिया आश्रम में महसूस होती है।

शतचंडी यज्ञ में 42 देश के श्रद्धालु हैं शामिल : इन दिनों आश्रम में चल रहा शतचंडी यज्ञ रिखिया को वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र बना रहा है। जानकारी के अनुसार, इस अनुष्ठान में करीब 42 देशों के श्रद्धालु शामिल हुए हैं। यह नजारा इस बात का प्रतीक है कि रिखिया आश्रम की साधना और सेवा की परंपरा सीमाओं के पार जाकर विश्व के लोगों को जोड़ रही है।

विदेशी श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता है सुरक्षा व्यवस्था : विदेश से आ रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर रिखिया आश्रम के लोग 24 घंटे चौकन्ने रहते हैं। आश्रम के अंदर किसी भी तरह का वीडियो या फिर फोटो खींचने की अनुमति नहीं होती है। इसके अलावा विदेशियों के आगमन को देखते हुए पुलिस क्षेत्र में पेट्रोलिंग करती रहती है। देवघर का यह रिखिया आश्रम आज एक ऐसी मिसाल है, जो बताता है कि अध्यात्म सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि सेवा है। वह सेवा जो समाज को जोड़ती है और दुनिया को एक परिवार की तरह अनुभूति कराती है।

मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा : उपाध्यक्ष

बोकारो, एजेंसी। एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन बोकारो इकाई की ओर से रविवार को सामाजिक दायित्व के तहत चास व बोकारो के विभिन्न जगहों पर खाद्य सामग्री सहित गरम वस्त्र वितरण अभियान चलाया गया। अध्यक्षता एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय कुमार व संचालन सुरेंद्र कुमार ने किया। श्री कुमार ने कहा : मानव की सेवा से बढ़ कर कोई सेवा नहीं है। हम सरहद की रक्षा करनेवाले मानवता की रक्षा में सब कुछ न्यौछावर करने को हर वक्त तैयार रहते हैं। समाज के हर व्यक्ति को मानवता की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। इसके साथ ही हरला थाना क्षेत्र रानीपोखर के समीप ऑफिसर्स एसोसिएशन इनक्लेव के समीप 40 जरूरतमंदों के बीच गरम वस्त्र के साथ कंबल बांटा गया। मौके पर सचिव सुनील कुमार सिंह, संयुक्त सचिव पद्मनाभ, सुजीत कुमार झा, कोषाध्यक्ष राजीव रंजन, मीडिया प्रभारी बीरेंद्र कुमार, पंकज कुमार, सांस्कृतिक प्रभारी निवारण मंडल, देवेंद्र कुमार, स्पोर्ट्स प्रभार अजित रवानी, सलाहकार समिति नितेश कुमार, एन उपाध्याय, आनंद कुमार, संजय पोद्दार आदि मौजूद थे।

हजारीबाग में घर में घुसकर पुजारी की हत्या:छत के रास्ते घुसे अपराधी, सोते हुए में मारी पांच गोलियां, मौके पर ही हुई मौत

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के बुंडू गांव में रविवार की आधी रात अज्ञात अपराधियों ने गांव के 35 वर्षीय रूपलाल करमाली की उनके ही घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब 12 से 1 बजे के बीच हुई। ग्रामीणों के मुताबिक, अपराधी घर के पीछे की ओर से पहुंचे और छत का सहारा लेकर अंदर घुसे। उन्होंने सो रहे रूपलाल पर एक के बाद एक पांच गोलियां दाग दीं। गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीण घर की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। गांव में अचानक हुई घटना के बाद लोगों ने तुरंत केरेडारी थाना पुलिस को घटना की सूचना दी।

रूपलाल करमाली गांव में आयोजित होने वाली बुंडू मंडा पूजा में भगत पुजारी की भूमिका निभाते थे। गांव के धार्मिक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका के कारण लोग उन्हें सम्मान की नजर से देखते थे। उनकी इस तरह की निर्मम हत्या ने पूरे गांव को सकते में डाल दिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम देर रात ही मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की, चारों ओर फैले खून के धब्बों और गोलियों के खोखे को जब्त किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि रूपलाल का किसी से कोई विवाद नहीं था, ऐसे में उनकी हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन तकनीकी जांच, कॉल डिटेल और स्थानीय इनपुट के आधार पर अपराधियों की पहचान की कोशिश जारी है।पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि किसी तरह की पुरानी रंजिश या व्यक्तिगत विवाद की जानकारी मिल सके। गांव में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी ने भरोसा दिलाया कि इस जघन्य घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गिरिडीह में कार और ट्रेक्टर की सीधी टक्कर, दो हिस्से में कट गया ट्रैक्टर

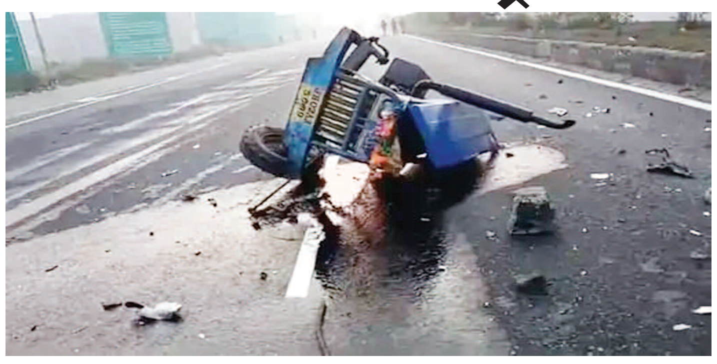

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कुलगो टोल प्लाजा के पास ट्रैक्टर और अर्टिगा कार की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर बीच से दो हिस्सों में बिखर गया। इसका इंजन, डाला और केबिन सड़क पर काफी दूर तक फैल गए। वहीं अर्टिगा कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर सड़क किनारे पलट गई।

दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। मंजर इतना भयावह था कि ग्रामीणों को लगा कि किसी न किसी की जान जरूर गई होगी। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों गाड़ियों में केवल ड्राइवर ही थे। मामूली रूप से घायल कार चालक को ग्रामीणों ने तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया।

हजारीबाग से धनबाद जा रही थी कार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना तब हुई जब ट्रैक्टर खेत की ओर मुड़ रहा था। उसी समय हजारीबाग से धनबाद की ओर जा रही अर्टिगा कार तेज रफ्तार में पहुंची और बेकाबू होकर सीधे ट्रैक्टर में जा घुसी। ग्रामीणों ने बताया कि कार की गति इतनी अधिक थी कि टक्कर के बाद उसके एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे चालक की जान बच सकी।

टक्कर में ट्रैक्टर का ढांचा पूरी तरह टूट गया और उसके हिस्से सड़क पर बिखर गए। कार भी उलटकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने मिलकर सड़क पर फैले मलबे को हटाने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। कुछ देर तक सड़क पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही, क्योंकि टूटा हुआ ट्रैक्टर और क्षतिग्रस्त कार बीच सड़क पर पड़े थे।

पुलिस ने हटवाया मलबा, रास्ता खुला

सूचना मिलते ही डुमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रैक्टर के बिखरे हिस्सों और कार को सड़क से हटवाया। इस काम में करीब आधे घंटे का समय लगा, जिसके चलते इस दौरान सड़क पर यातायात बाधित रहा।

बाद में मार्ग को पूरी तरह से साफ कर आवागमन सामान्य किया गया। डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

2614 लाभुकों के बीच बांटी गयीं परिसंपत्तियां

धनबाद, एजेंसी। सेवा का अधिकार सप्ताह के दूसरे दिन शनिवार को जिला के विभिन्न प्रखंडों की पंचायतों व नगर निकाय के वार्डों में लगे शिविरों में सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गयी। साथ ही मौके पर ही परिसंपत्तियों, स्वीकृति पत्रों का वितरण एवं आवश्यक दस्तावेज प्रदान किये गये। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे दिन 761 आवेदनों का निष्पादन किया गया।

वहीं 2614 लाभुकों के बीच ऑन द स्पॉट परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। शिविरों में 7233 आवेदन प्राप्त हुए थे। उपायुक्त ने बताया कि जाति प्रमाण पत्र के 226, आय प्रमाण पत्र के 217, जन्म प्रमाण पत्र के 148, मृत्यु प्रमाण पत्र के 26, दाखिल खारिज वादों के 55, जमीन मापी के सात, भूमि धारण प्रमाण पत्र 11, नया राशन कार्ड 955, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र के 131, वृद्धा पेंशन के 668, विधवा पेंशन के 28, दिव्यांगता पेंशन के 18, झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 से जुड़े 439, विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के लिए 4304 सहित 7233 आवेदन प्राप्त हुए।

इसमें जाति प्रमाण पत्र के 84, आय प्रमाण पत्र के 91, जन्म प्रमाण पत्र के 27, मृत्यु प्रमाण पत्र के 12, दाखिल खारिज वादों के एक, जमीन मापी का 1, नया राशन कार्ड 63, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र के 38, वृद्धा पेंशन के 35, विधवा पेंशन के दो, दिव्यांगता पेंशन के दो, झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 से जुड़े 310, विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के 95 सहित 761 आवेदनों का निष्पादन किया गया। शिविरों के दौरान लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। इसमें 35 लाभुकों को लैमिनेटेड जाति प्रमाण पत्र, 1036 स्वयं सहायता समूह / क्लस्टर मेंबर को आइडेंटी कार्ड का वितरण, 416 लाभुकों के बीच धोती- साड़ी एवं लूंगी का वितरण, 55 लाभुकों को कंबल, 150 को साइकिल, 856 लाभुकों को स्वेटर तथा अन्य 66 सहित 2614 लाभुकों के बीच ऑन द स्पॉट परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

निकाय चुनाव पर हाईकोर्ट में सुनवाई: चुनाव आयोग बोला- तैयारी को 8 सप्ताह और चुनाव प्रक्रिया को 45 दिन की जरूरत, 30 मार्च को

रांची, एजेंसी। झारखंड में स्थानीय शहरी निकाय चुनाव कराने को लेकर दायर अवमानना याचिका पर आज झारखंड उच्च न्यायालय में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। मामला पार्षद रोशनी खलखो बनाम झारखंड सरकार से जुड़ा है। जिसमें पहले ही 04 जनवरी 2024 को कोर्ट ने तीन सप्ताह के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया था। आदेश का पालन न होने पर अवमानना याचिका दायर की गई थी। इसी पर जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में सुनवाई हुई।

सरकार ने बताया चुनाव की तैयारियां पूरी

सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पक्ष रखा। दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता उपस्थित हुए और कोर्ट को बताया कि सरकार ने चुनाव से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है। महाधिवक्ता ने यह भी कहा कि चुनाव संबंधी सभी निर्णयों की प्रतियां राज्य निर्वाचन आयोग को दे दी गई हैं। आयोग ने इन्हें स्वीकार भी कर लिया है। **निर्वाचन आयोग ने मांगा समय, कोर्ट में सीलबंद रिपोर्ट भी सौंपी**

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सुमित गाडोड़िया उपस्थित हुए। उन्होंने कोर्ट को अवगत कराया कि आयोग चुनाव कराने के लिए पूरी तरह गंभीर है, लेकिन विस्तृत तैयारी के लिए आठ सप्ताह का समय आवश्यक है। इसके अलावा वास्तविक चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने में 45 दिन लगेंगे। आयोग ने यह बात कोर्ट में दाखिल शपथपत्र के माध्यम से भी कही है।

विधायक सरयू राय ने अपने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के बारे में दी जानकारी, सरकारी तंत्र पर उठाए सवाल

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड सरकार के एक साल पूरे होने पर जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र से जेडीयू विधायक सरयू राय ने अपने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। विधायक सरयू राय ने कहा कि मौजूदा सरकारी मशीनरी पूरी तरह फेल हो चुकी है, पुलिस अधिकारी अब खुद वसूली करने में लगे हैं। उन्होंने डीजीपी तदाशा मिश्रा की पोस्टिंग पर भी सवाल उठाए।

सरयू राय ने कहा कि पिछले एक साल में काम तो हुआ है, लेकिन प्रशासनिक मदद पाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। कदमा में कन्वेंशन सेंटर का काम जनवरी से चल रहा है। डीएम लाइब्रेरी बिल्डिंग अभी खड़ी है। पहले बिल्डिंग जर्जर थी, लेकिन लाइब्रेरी चलती थी। अब बिल्डिंग का रेनोवेशन हो गया है, लेकिन लाइब्रेरी चालू नहीं है। बालीगुमा टैंक में अभी तक पानी नहीं पहुंचा है। कई ऐसे काम हैं जो अब तक पूरे हो जाने चाहिए थे, लेकिन सरकार की लापरवाही की वजह से पूरे नहीं हुए हैं।

विधायक सरयू राय ने कहा कि कुल 40 करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रोजेक्ट में से 1,321 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं, जबकि 831 प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन की कार्य प्रणाली की शिथिलता की वजह से दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं की बहुत धीमी रफ्तार की वजह से वे अधिकारियों पर जवसुविधाएं देने का दबाव डालेंगे। इलाके के कई सामुदायिक भवन से बिजनेस किया जा रहा है, जो सरासर गलत है।

सरयू राय ने कहा कि अब जनसुविधाएं बहाल करने के लिए दबाव बनाया जाएगा। चाहे अधिकारी हों या ऊंचे लेवल के लोग, उन्हें काम करना ही होगा। विधायक सरयू राय ने कहा कि अब हालत यह हो गई है कि थानेदार खुद ही वसूली करने में लगे हैं। पहले यह काम एजेंट करते थे। वे इस मामले में एसएसपी से बात करेंगे।

उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कई विभाग में उच्च पदाधिकारी और अधिकारियों के पद खाली हैं। जबकि उच्च पदाधिकारियों की कोई कमी नहीं है। लेकिन उनकी पोस्टिंग नहीं हो रही है, जिससे विकास के काम में रुकावट आ रही है। उन्होंने डीजीपी की पोस्टिंग को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

आदिवासी संगठनों ने रूढ़ी-प्रथा व पहचान बचाने का लिया संकल्प

रांची, एजेंसी। नामकुम प्रखंड की डूंगरी पंचायत स्थित दस माइल चौक जतरा मैदान में रविवार को धर्मांतरण के खिलाफ जनाक्रोश सभा आयोजित की गई। इसमें विभिन्न सामाजिक और आदिवासी संगठनों के लोगों के साथ-साथ रूदि प्रथा का पालन करने वाले ग्राम प्रधान एवं सीमावर्ती राज्यों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस दौरान अंधविश्वास, चंगाई और बीमारी ठीक करने के नाम पर भोले-भाले आदिवासी-जनजातियों के कथित मतांतरण व धर्मांतरण का विरोध किया गया। आदिवासी संगठन के लोगों ने परंपरागत रूढ़ि-प्रथा व पहचान बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आदिवासी सरना बचाओ महारैली की संयोजक मेघा उरांव ने कहा कि धर्मांतरण के खिलाफ और समाज की पहचान, रूढ़ि-प्रथा, हक और अधिकार की रक्षा के लिए समाज खुलकर सामने आएं। सभा को जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेशा राम भगत, पूर्व जज मध्य प्रदेश प्रकाश सिंह उइके, कृपाशंकर भगत, संदीप उरांव सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। सभा में नगाड़ा बजा कर कई प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें मुख्य रूप से मूल धर्म की पूजा पद्धति और रूढ़ि प्रथा के प्रति समाज को जागरूक करना, रूढ़ि-प्रथा का पालन करने वाले जनजातियों को संवैधानिक अधिकारों की जानकारी देना, पेसा कानून जल्द लागू करना और धर्मांतरण कानून 2017 को कड़ाई से लागू करने का प्रस्ताव शामिल था।

लड़कियों में बढ़ रहा है कलरफुल आईलाइनर का क्रेज

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है।

मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं

आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

यूं बनाएं आसानी से घर पर बॉडी लोशन

बॉडी लोशन बनाने के लिए आप सबसे पहले बादाम का तेल, नारियल का तेल, मोम, और शीया या कोकोआ बटर मिलाएं। इसके लिए आप डबल बॉयलर या पानी उबालने वाले पैन के उपर कांच के कटोरे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के स्किन केयर प्रॉडक्ट्स का सहारा लेती हैं। आमतौर पर स्किन केयर प्रॉडक्ट्स को आप बाजार से खरीदकर लाती हैं, जिसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च हो जाते हैं। हो सकता है कि आप भी हर महीने हजारों रूपए अपने स्किन केयर प्रॉडक्ट्स पर खर्च करती हों। लेकिन वास्तव में आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो घर पर ही नेचुरल चीजों की मदद से स्किन केयर प्रॉडक्ट बना सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर पर बॉडी लोशन बनाने का तरीका बता रहे हैं, जो यकीनन आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा- घर पर बॉडी लोशन बनाने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत पड़ेगी। जो हैं- आधा कप बादाम का तेल, आधा कप नारियल का तेल, आधा कप बीसवैक्स या मोम, एक चम्मच विटामिन ई ऑयल, दो बड़े चम्मच शीया बटर या कोकोआ बटर, एसेंशियल ऑयल। बॉडी लोशन बनाने के लिए आप सबसे पहले बादाम का तेल, नारियल का तेल, मोम, और शीया या कोकोआ बटर मिलाएं। इसके लिए आप डबल बॉयलर या पानी उबालने वाले पैन के उपर कांच के कटोरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप धीरे-धीरे मिलाओ ताकि सारी सामग्री अच्छी तरह मिक्स हो जाए। जब सभी इंग्रीडिएट अच्छी तरह मेल्ट हो जाते हैं तो आप इसमें विटामिन ई का तेल डालें। साथ ही एसेंशियल ऑयल भी डालें। हालांकि यह पूरी तरह से वैकल्पिक हैं। अगर आप चाहें तो एसेंशियल ऑयल को स्किप भी कर सकती हैं। अब आप इसे एक ग्लॉस जार या टिन में डालें। आप इसके लिए छोटे मैसन जार का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आप इसे नियमित रूप से अपनी स्किन पर अप्लाई करें।

एक्सपायर हो चुके हैंड वॉश का इस तरह करें इस्तेमाल

कई चीजें एक्सपायर हो जाती हैं। हालांकि यह इतने महंगे होते हैं कि इसे फेंकने का भी मन नहीं होता है। अगर आपके घर में रखा हैंड वॉश भी एक्सपायर हो गया है तो आप इसे फेंकने की जगह इसे सही तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने एक्सपायर हैंड वॉश को फिर से इस्तेमाल सकती हैं।

ज्यादातर लोग चीजों को इस्तेमाल करने से पहले देखते ही नहीं है। ऐसे में वह एक्सपायर चीजों का भी इस्तेमाल कर लेते हैं। कुछ प्रोडक्ट 6 महीने के बाद एक्सपायर हो जाते हैं। ऐसे में आपको स्किन पर भूलकर भी एक्सपायर चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। चाहे वह हैंड वॉश ही क्यों ना हो आपको सावधानी बरतनी चाहिए।

वॉश बेसिन की करें सफाई

एक्सपायर हो चुके हैंड वॉश की मदद से आप चाहे तो वॉश बेसिन की सफाई कर सकती हैं। आपको वॉश बेसिन में हैंड वॉश डालना है और ब्रश की मदद से पूरे वॉश बेसिन की सफाई करनी है। ऐसे में आपका एक्सपायर हैंड वॉश साफ भी हो जाएगा और वॉश बेसिन गंदा भी नहीं होगा।

बेडशीट की करें सफाई

बेडशीट की सफाई आपको एक्सपायर हो चुके हैंड वॉश की मदद से करना चाहिए। इससे आपका बेडशीट साफ हो जाएगा। सबसे पहले आपको पानी और हैंड वॉश का घोल तैयार करना होगा फिर इस घोल में आपको बेडशीट डालना होगा। फिर पूरे बेडशीट को नार्मल पानी की मदद से साफ करना होगा।

जूतों की करें सफाई

एक्सपायर हैंड वॉश को फेकने की जगह आप चाहे तो उसकी मदद से जूतों की सफाई कर सकती हैं। जूतों की सफाई करने के लिए आपको हैंड वॉश को घोल तैयार करना होगा। फिर इस घोल में आपको जूतों को भिगोकर रखना होगा। ऐसे में आपके जूते मिनटों में साफ हो जाएंगे और एक्सपायर चीजों का भी इस्तेमाल हो जाएगा। आपके पैसे वेस्ट नहीं होंगे।

ससुराल वालों से कभी खराब नहीं होंगे आपके रिश्ते अपनाएं ये आसान टिप्स

लड़कियों को शादी के बाद ससुराल वालों को संभालना शुरुआत में काफी मुश्किल होता है। हालांकि कुछ तरीकों को अपना कर रिश्ते को मजबूत बनाया जा सकता है।

शादी के नाम से ही हर लड़की नर्वस हो जाती है। क्योंकि उनके मन में ससुराल वालों के साथ रिश्ते को लेकर कई सारे सवाल उठ रहे होते हैं। क्योंकि भारत में शादियां सिर्फ एक लड़का और लड़की के बीच नहीं होती। बल्कि यह दो परिवारों के बीच का रिश्ता भी होता है। ऐसे में, हर महिला को नए परिवार और रिश्ते को संभालने का डर रहता है। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हाल है, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं, जिसकी मदद से आप अपने ससुराल वालों को आसानी से संभाल सकती हैं। तो चलिए ओंटोलॉजिस्ट और रिलेशनशिप एक्सपर्ट आश्मीन मुंजाल से जानते हैं कि कैसे ससुराल के सदस्यों को हैंडल किया जा सकता है।

इफेक्टिव कम्यूनिकेशन

कम्यूनिकेशन किसी भी रिश्ते हेल्दी बनाने के लिए जरूरी होता है। यह आपको विश्वास और समझ विकसित करने में मदद करता है। ऐसे में, आप अपने ससुराल वालों के लिए कुछ समय निकालें और अपने विचारों, भावनाओं और मुद्दों पर खुलकर चर्चा करें। परेशानी को कम करने और संभालने के लिए एक-दूसरे से बात करना बहुत जरूरी होता है। ध्यान रखें संचार कभी भी एकतरफा नहीं होता, इसलिए उनके दृष्टिकोण और सुझावों को भी जरूर सुनें।

धैर्य और प्रयास से रिश्ते बनाएं मजबूत

ससुराल वालों के साथ एक स्वस्थ, सम्मानजनक और प्यार भरा रिश्ता कायम रखने के लिए धैर्य और प्रयास की आवश्यकता हो सकती है। क्योंकि मजबूत बंधन बनाने में समय लगता है। इसके लिए आपको धैर्य रख कर कोशिश करते रहनी होगी।

आपस की समानताओं को समझें

अपने और अपने ससुराल वालों के बीच समानताएं तलाशने की कोशिश करें। एक बार जब आप जान जाएंगी कि आपकी कौन-सी समान रुचियां हैं, तो आप उन पर ध्यान दे सकते हैं। साथ ही, उस चीज का फायदा भी उठा सकते हैं। समानताएं नेचर, पसंद-नापसंद, खाना बनाना, बागवानी करना आदि की हो सकती है, जो आपको एक मजबूत संबंध बनाने में हेल्प करता है।

ससुराल वालों का सम्मान करें

अपने ससुराल वालों द्वारा से मिले समर्थन और दयालुता को स्वीकार करके आपको उनका सम्मान हमेशा करना चाहिए। इसके लिए आप उन्हें धन्यवाद कहकर या उनके साथ समय बिताकर अपनी दयालुता व्यक्त कर सकती हैं। ये छोटी-छोटी चीजें वास्तव में आपके रिश्तों को सुधार सकती हैं और एक अटूट संबंध बना सकती हैं।

मिलनसार बनें

आपको अपने ससुराल वालों के साथ अधिक घुलने-मिलने का प्रयास करना चाहिए। उन्हें अपने विशेष आयोजनों, यात्राओं आदि सभी चीजों में शामिल करें। इससे परिवार वालों को खुशी होगी और आपका रिश्ता भी मजबूत होगा। इसके अलावा, आपको अपने जीवन के प्रमुख निर्णयों में भी घर वालों को शामिल करना चाहिए। यही नहीं, उनका मार्गदर्शन और सलाह भी आपको मांगनी चाहिए। इससे ससुराल वालों को भी एहसास होगा कि आपके लिए वो कितने मायने रखते हैं। फिर, सास, ससुर, देवर आदि जो भी सदस्य हैं सभी के साथ आपका रिश्ता स्ट्रांग हो सकता है।

हैंडबैग से आने लगी है बदबू या दिख रही है फफूंद, तो बिना धोए ऐसे करें उसे साफ

अगर आपको बताया जाए कि आपके हैंडबैग में बीमारी फैलाने वाले कीटाणु हो सकते हैं, तो आपका क्या कहना होगा? दरअसल, हैंडबैग की सफाई आसान नहीं होती है और इसलिए उसे बिना धोए साफ करना हो तब तो आपको थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी। लेदर बैग्स को तो धोने का कोई ऑप्शन नहीं होता और अगर इनमें एक बार फंगस लगनी शुरू हो गई, तो उसका इलाज करना मुश्किल हो जाता है। अगर आपके साथ भी यह समस्या आ रही है, तो हम आपको कुछ घरेलू हैक्स बताते हैं जिनकी मदद से आप यह काम कुछ ही मिनटों में कर सकती हैं। हां, पहले आपको ये ध्यान रखना होगा कि आप किस तरह का बैग साफ कर रही हैं। कैनवास बैग, सिंथेटिक बैग, लेदर बैग आदि साफ करने की ट्रिक्स अलग-अलग हो सकती हैं।

कैसे साफ करें कैनवास बैग?

- कैनवास बैग्स को साफ करने का सबसे आसान तरीका है उन्हें धोना, लेकिन अगर आप उन्हें धो नहीं सकती हैं, तो इन टिप्स को अपनाएं।
- सबसे पहले आप बैग को पूरी तरह से खाली कर दें।
- अब आप दाग वाली जगह पर बेकिंग सोडा और पानी की मिक्सचर घिसें।
- आप कैनवास बैग को सफेद सिरके से भी साफ कर सकती हैं। पानी में सफेद सिरके को डाइल्यूट करें और उस पानी में बस यह बैग भिगोकर सुखा दें। आपको अलग से इसे धोने की या रगड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- स्टेन रिमूवर आप सीधे बैग पर लगाएं और उसे साफ करें।

कैसे साफ करें लेदर बैग?

- लेदर बैग को आप ऐसे ही साफ नहीं कर सकती हैं। इसमें पानी लगाना और ज्यादा खतरनाक होगा।
- सबसे पहले किसी लिंट रोलर या फिर टूथब्रश से लेदर बैग के अंदर का फैब्रिक खाली करें।
- आप इसकी बाहरी लाइनिंग को भी लिंट रोलर से साफ कर सकती हैं।
- किसी माइक्रोफाइबर कपड़े में आप थोड़ा सा साबुन लगाएं और उससे बैग की बाहरी लाइनिंग को साफ करें। ध्यान रखें कि यहां पर ज्यादा पानी इस्तेमाल नहीं करना है।
- अगर लेदर बैग में फंगस मिल गई है, तो 1 मग पानी में 1/2 कप सफेद सिरका, 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर स्प्रे बॉटल में भरें और इस स्प्रे से ही आपको बैग को साफ करना है।
- इसके बाद आपको बैग को माइक्रोफाइबर कपड़े से साफ करना है।
- लेदर बैग को साफ करने के बाद आप इसे कम से कम रात भर अच्छे से सूखने के लिए छोड़ दें।
- ध्यान रखें कि आप जब भी बैग साफ करें तब उसमें सामान बिल्कुल नहीं होना चाहिए।

कैसे साफ करें सिंथेटिक बैग?

- सिंथेटिक बैग्स को साफ करना ज्यादा आसान है। इन्हें सिर्फ गीले कपड़ों से साफ करना भी आसान है।
- आप बेकिंग सोडा और सफेद सिरके के मिक्सचर से भी इन्हें साफ कर सकती हैं।
- अगर आप कपड़े को साबुन के पानी में डुबोकर उसे साफ करना चाहें, तो भी कोई दिक्कत नहीं होगी।
- सिंथेटिक बैग्स के साथ बस तभी दिक्कत आती है, अगर उनका कलर छूट रहा हो। ऐसे केस में साबुन का पानी बेस्ट होगा, सिरका या बेकिंग सोडा नहीं काम करेगा।
- इन बैग्स को धूप में सुखाने की कोशिश ना करें क्योंकि इससे परेशानी ज्यादा बढ़ सकती है।
- हर दो हफ्ते में एक बार तो बैग को धो लेना चाहिए। बाकी अगर आप किसी वजह से ऐसा नहीं कर पा रही हैं, तो भी आप उसका सामान निकालकर उसे खाली करके थोड़ी देर ऐसे ही हवा में छोड़ दें।

एक पैसा लगाए बिना शुरू किया काम, आज 52 लाख सालाना का टर्नओवर...

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर के इम्फाल पूर्व जिले के मोइरंगकाम्पु सजेब गांव की रहने वाली राजकुमारी बिनीता देवी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। उन्होंने जीरो इन्वेस्टमेंट से करोड़ों का व्यवसाय खड़ा किया है। 2011 में शुरू हुआ उनका यह असाधारण सफर पड़ोस के युवकों की ओर से छोड़े गए ऑयस्टर मशरूम बैग, स्पॉन और पुआल से शुरू हुआ। शुरुआती ज्ञान की कमी के बावजूद उन्हें 50 बैग से लगभग 70 किलो मशरूम की पहली फसल मिली। इससे उन्हें 5,600 रुपये की कमाई हुई। हालांकि, 2014 में फंगस लगने के कारण उन्हें बड़ा झटका लगा। व्यवसाय दो साल के लिए बंद करना पड़ा। लेकिन, हार न मानते हुए उन्होंने आइसीएआर की ट्रेनिंग ली। प्रेशर कुकर और मोमबत्तियों जैसी घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके नए तरीके से कारोबार फिर से शुरू किया। आज वह 52 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर कर रही हैं। इसमें मशरूम के साथ अचार, नूडल्स और पापड़ जैसे वैल्यू एडेड उत्पाद शामिल हैं। आइए, यहां राजकुमारी बिनीता देवी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। राजकुमारी बिनीता देवी का उद्यमी सफर 2011 में तब शुरू हुआ जब उनके पड़ोसी गांव के कुछ युवा मशरूम किसानों ने अपना किराए का मकान खाली कर दिया। जल्दबाजी में वे अपना सारा रॉ मैटेरियल उनके घर छोड़ गए। इनमें ऑयस्टर मशरूम बैग, स्पॉन और पुआल शामिल थे। इन्हें छोड़ने से पहले वे युवा बिनीता को मशरूम खेती की प्रक्रिया के बारे में थोड़ी जानकारी दे गए थे। इसके बाद उन्होंने शून्य निवेश पर उन 50 बैग को तैयार किया। सीमित ज्ञान के बावजूद उन्हें लगभग 70 किलो मशरूम की पहली फसल मिली। इसे उन्होंने स्थानीय बाजार में 80 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचकर 5,600 रुपये कमाए। इस शुरुआती सफलता से प्रोत्साहित होकर बिनीता ने 2014 तक उत्पादन बढ़ाकर 500 बैग कर दिया। हालांकि, उचित प्रशिक्षण की कमी के कारण उसी साल उनके सभी 500 बैग में फंगस लग गया। इससे उनका दिल टूट गया और उन्होंने दो साल के लिए खेती रोक दी।

996 वर्क कल्चर क्या है नारायण मूर्ति इसकी कर रहे वकालत

नई दिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने हाल ही में युवाओं से कहा कि अगर भारत को तेजी से विकास करना है, तो युवाओं को हफ्ते में 72 घंटे काम करने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने चीन के मशहूर 996 वर्क कल्चर का उदाहरण देते हुए कहा, सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक, हफ्ते में 6 दिन यानी 72 घंटे। उनका तर्क था कि चीन जैसे देशों ने ऐसी मेहनती संस्कृति से तेज विकास हासिल किया। मूर्ति ने बताया कि उनकी कंपनी कैटामरन के कुछ अधिकारी चीन गए थे ताकि वे वहां की असली कामकाजी संस्कृति को समझ सकें। वहां एक कहावत है, 9, 9, 6 यानी सुबह 9 से रात 9 तक, हफ्ते में 6 दिन। 996 वर्क कल्चर का मतलब है कि सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक, हफ्ते में 6 दिन काम करना। यानी कुल 72 घंटे काम करना, जो सामान्य कामकाजी घंटों से कहीं ज्यादा है। यह प्रथा खासकर चीन की टेक कंपनियों में ज्यादा प्रचलित थी। 2010 के दशक में चीन की टेक इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही थी। मार्केट में आगे बढ़ने की होड़, कंपनियों की स्पीड और ज्यादा मेहनत की मांग ने 996 को आम बना दिया।

अमेरिकी टैरिफ दबाव के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

जीडीपी दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अनुमान जताया है। रेटिंग्स एजेंसी के अनुसार चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं अगले वित्त वर्ष में यह 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसमें कहा गया है कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के बावजूद, मजबूत खपत के कारण घरेलू विकास बेहतर स्थिति में है। एसएंडपी का दावा है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि ने चालू वित्त वर्ष की पहली तमाही (अप्रैल-जून) में पांच तिमाहियों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 7.8 प्रतिशत की रफ्तार पकड़ी है। इधर, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी आंकड़े 28 नवंबर को जारी किए जाएंगे, जिनसे अर्थव्यवस्था की मासिक स्थिति और स्पष्ट होगी।

चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान: आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर से बेहतर है।

एसएंडपी ने आगे कहा कि यदि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर लेता है तो इससे अनिश्चितता कम होगी और विश्वास बढ़ेगा, जिससे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, जून में आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती कर इसे 3 साल के निचले स्तर 5.5 प्रतिशत पर ला दिया था। वहीं 22 सितंबर से लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं, जिससे आम उपभोग की वस्तुएं सस्ती हो गईं।

अमेरिकी टैरिफ का असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ने की संभावना

वैश्विक रेटिंग एजेंसी स×क्कने कहा है कि भारत पर बढ़ाए गए प्रभावी अमेरिकी टैरिफ का असर देश के निर्यात-उन्मुख विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार पर पड़ रहा है। ऊंचे शुल्क के कारण भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता घट रही है और कंपनियों के विस्तार की गति पर दबाव बना हुआ है। हालांकि, एजेंसी ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगने वाले कुछ शुल्कों में कमी ला सकता है, जिससे व्यापारिक रिश्तों में राहत मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की नई व्यापार नीति सरकारों और कंपनियों को छूट हासिल करने के लिए समय और पैसा खर्च करने पर मजबूर कर रही है। इससे उनकी ऊर्जा उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से हटकर इन बातचीतों में लग रही है। इन कारकों से जीडीपी दर बढ़ने के उम्मीद एसएंडपी ने आगे कहा कि कम जीएसटी दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती और ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से इस वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आईटी छूट को 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है। इससे मध्यम वर्ग को 1 लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है।

एफडी के लिए बैंक के अलावा और भी हैं विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप घटती ब्याज दरों के बीच अपनी बचत पर मिलने वाले रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं? क्या आप ऐसा विकल्प तलाश रहे हैं, जिसमें जोखिम कम और कमाई ज्यादा हो? अगर हां, तो कॉरपोरेट एफडी आपके लिए ही है। ये पारंपरिक बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। सरकारी, प्राइवेट कंपनियां और एनबीएफसी पहले से तय ब्याज दर और निश्चित अवधि के साथ निवेशक को कॉरपोरेट एफडी जारी करती हैं। निवेश अवधि समाप्त होने के बाद, कंपनी निवेशक को मूलधन ब्याज सहित लौटा देती है। यह बिल्कुल बैंक एफडी जैसा ही है, बस आप अपना पैसा किसी बैंक में जमा करने के बजाय किसी कंपनी में जमा करते हैं। नहीं, सभी कॉरपोरेट एफडी सुरक्षित नहीं होतीं। अगर कंपनी डिफॉल्ट करती है या दिवालिया हो जाती है, तब आपको पैसे के लिए इंतजार करना पड़ सकता है या आपका निवेश आंशिक या पूरी तरह डूब भी सकता है। बैंक एफडी की तुलना में कॉरपोरेट एफडी ज्यादा जोखिम भरी है, लेकिन आप अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों पर भरोसा कर सकते हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल , इक्रा और केयर कंपनियों की कर्ज चुकाने की क्षमता का आकलन करती हैं, और उन्हें रेटिंग देती हैं।

6 प्रतिशत चढ़ा कर्नाटक बैंक का शेयर, 200 के पार पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आज एक बार फिर से कर्नाटक बैंक लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 6 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के प्राइवेट बैंक के शेयरों का भाव 200 रुपये के पार पहुंच गया है। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक बैंक के शेयरों का भाव 8 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। बीएसई में कर्नाटक बैंक के शेयरों का भाव 191.65 रुपये के लेवल पर खुला था। 6 प्रतिशत की तेजी के साथ यह स्टॉक 201.80 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद शेयरों में नरमी देखने को मिली। जिसकी वजह से कर्नाटक बैंक लिमिटेड के शेयरों का भाव फिर से 200 के नीचे आ गया है। क्यूपिड लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर आदित्य कुमार हलवासिया ने इस बैंक में बड़ा निवेश किया है। एनएसई के डाटा के अनुसार हलवासिया ने शुक्रवार को 38 लाख शेयर खरीदा था। बता दें, सितंबर तिमाही में आदित्य कुमार हलवासिया का नाम कंपनी की शेयरहोल्डिंग में नहीं था। कर्नाटक बैंक में प्रमोटर्स की कोई हिस्सेदारी नहीं है। बंधन म्यूचुअल फंड्स के पास कर्नाटक बैंक का 2.56 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, क्वांट स्मॉल कैप फंड के पास 3.9 प्रतिशत हिस्सा है। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के पास 3.59 प्रतिशत और एलआईसी के पास 1.62 प्रतिशत हिस्सा है। बता दें, 4 लाख निवेशक ऐसे हैं जिनके पास 2 लाख रुपये से अधिक की हिस्सेदारी कंपनी में है। ऐसे निवेशकों के पास 36.19 प्रतिशत हिस्सा है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट 3 एक्सपर्ट्स ने कर्नाटक बैंक को रेटिंग दी है। बता दें, पिछले तीन महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी आई है।

पहले दिन ही भर गया आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। सुदीप फार्मा आईपीओ पहले दिन ही पूरा भर गया था। कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने का अभी दो मौके हैं। यह आईपीओ आज और कल अभी खुला रहेगा। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में सुदीप फार्मा आईपीओ की स्थिति और बेहतर हुआ है। जीएमपी 120 रुपये के पार पहुंच गया है। सुदीप फार्मा आईपीओ का जीएमपी आज 121 रुपये प्रति शेयर है। जोकि लिस्टिंग के वक्त 20.40 प्रतिशत का फायदा दिखा रहा है। इंवेस्टर्स को हर एक लॉट पर 3025 रुपये का फायदा दिखा रहा है। बीते दो दिनों में कंपनी के जीएमपी में तेजी देखने को मिली है।

क्या है प्राइस बैंड

सुदीप फार्मा आईपीओ का प्राइस बैंड 563 रुपये से 593 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 25 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14825 रुपये का इंवेस्टमेंट करना पड़ रहा है। बता दें, एंकर निवेशकों के लिए सुदीप फार्मा आईपीओ 20 नवंबर को ही खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 268.50 करोड़ रुपये जुटाए थे।

स्टील किंग लक्ष्मी मित्तल ने छोड़ा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी।
भारतवंशी स्टील उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल ने ब्रिटेन छोड़ने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि ब्रिटेन की सरकार बेहद अमीर लोगों (सुपर रिच) पर नए कर लगाने की तैयारी कर रही है, इसलिए मित्तल ने यह कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में जन्मे मित्तल भविष्य में अपना अधिकांश समय दुबई में बिताएंगे।

आर्सेलर मित्तल समूह के संस्थापक मित्तल की संपत्ति 2025 की संडे टाइम्स रिच लिस्ट के मुताबिक करीब 15.4 अरब पाउंड है और वे ब्रिटेन के आठवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया कि 75 वर्षीय मित्तल उन कई अरबपतियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आगामी बजट से पहले ब्रिटेन से बाहर जाना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मित्तल का पहले से दुबई में एक विशाल आवास है। उन्होंने यूएई के नाइया द्वीप पर भी एक बड़ा भू-खंड खरीदा है। यह पलायन ऐसे समय में हुआ है, जब ब्रिटेन सरकार अमीरों पर टैक्स बढ़ाकर 20 अरब पाउंड की वित्तीय कमी को पूरा करने की कोशिश में है। पिछले वर्ष भी बजट में कैपिटल गेन कर बढ़ाया गया था। सरकार ने पिछले वर्ष भी बजट में कैपिटल गेन कर बढ़ाया गया था। उद्यमियों को मिलने वाली राहत कम की गई थी और पारिवारिक कंपनियों को अगली पीढ़ी को हस्तांतरित करने पर नए कर लगाए गए थे। माना जा रहा है कि इस बार भी अतिरिक्त करों की तैयारी है, जिसमें ब्रिटेन छोड़ने वालों पर 20 प्रतिशत एग्जिट टैक्स की चर्चा ने करोड़पतियों को असहज कर दिया है। मित्तल के एक सलाहकार के अनुसार, समस्या आयकर या कैपिटल गेन कर नहीं था। मुद्दा इनहेरिटेंस टैक्स (उत्तराधिकार कर) था। कई अमीर विदेशी यह नहीं समझ पाते कि दुनिया भर में उनकी सभी संपत्तियों पर ब्रिटेन क्यों कर लगाए। ब्रिटेन में उत्तराधिकार कर 40 प्रतिशत तक है, जबकि दुबई और स्विट्जरलैंड में ऐसा कोई कर नहीं लगता।

मित्तल से पहले भी कई उद्यमी ब्रिटेन छोड़ चुके

मित्तल से पहले भी कई उद्यमी ब्रिटेन छोड़ चुके हैं, जिनमें भारतवंशी टेक उद्यमी हरमन नरूला भी शामिल हैं। नरूला ने कहा कि वे एग्जिट टैक्स हटाने के बावजूद दुबई जाएंगे क्योंकि सरकार ने इसे सोचा ही क्यों? क्या पता अगला बजट आते-आते इसे फिर लागू कर दें। रिवोल्यूट के सह-संस्थापक निक स्तोरोंस्की भी यूएई जा चुके हैं, जिससे वे संभावित 3 अरब पाउंड के कैपिटल गेन कर से बच सकेंगे। लगातार बदलते संकेतों और उलटफेर ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है और ब्रिटेन की टैक्स नीति की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिकी पाबंदियों से भारत की रूसी तेल सप्लाई पर असर

दिसंबर-जनवरी में आयात में बड़ी गिरावट की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी।
रूस की प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से लागू हुई नई अमेरिकी पाबंदियों के बाद भारत की रूसी कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले दो महीनों में रूसी तेल आयात तेजी से घटेगा, हालांकि पूरा आयात रुकने की संभावना नहीं है। भारत इस वर्ष औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी कच्चा तेल आयात कर रहा था। नवंबर में यह मात्रा बढ़कर 18-19 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरियां पाबंदियों से पहले छूट वाले कार्गो खरीद रही थीं। लेकिन दिसंबर-जनवरी में आयात घटकर लगभग 4 लाख बैरल प्रतिदिन आने की आशंका है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोप की मांग घटने से रूस ने भारत को

अगले दो महीनों में रूसी तेल आयात तेजी से घटेगा

भारी छूट पर तेल बेचना शुरू किया। नतीजतन, भारत का रूसी तेल आयात 1 प्रतिशत से बढ़कर कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हो गया और रूस नवंबर में भी भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बना रहा। नई पाबंदियों के बाद कई भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल खरीदना अस्थायी रूप से रोक दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स ने आयात बंद कर दिया है। केवल रोजनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी इससे प्रभावित नहीं है, क्योंकि उसकी वैदिनार रिफाइनरी पहले ही प्रतिबंधित इकाई के रूप में सूचीबद्ध है और वह मुख्य रूप से रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। विश्लेषक सुमित रितोलिया का कहना है कि नायरा को छोड़कर अन्य रिफाइनर ओएफएसी सूचीबद्ध कंपनियों से खरीदने का जोखिम नहीं उठाएंगे। नए अनुबंध, सप्लाई रूट, मालिकाना ढांचे और भुगतान चैनल तय करने में समय लगेगा।

अमेरिकी टैरिफ के बीच भारत का रुख बदला

ए बाजारों में पहुंच बढ़ाने से ़ींगा निर्यात 18 प्रतिशत छला

ई दिल्ली, एजेंसी।
ारत का सीफूड क्षेत्र धीरे-धीरे अमेरिका पर पनी निर्भरता घटाकर वैश्विक बाजार तक हुंच बढ़ा रहा है। निर्यातक भारी अमेरिकी रिफ के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए सरे बाजारों की तलाश कर रहे हैं। केयरएज टिंग्स की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई ।

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 के हले पांच महीनों के दौरान झींगा निर्यात में जबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसे मुख्य रूप से ियतनाम, बेल्जियम, चीन और रूस सहित र-अमेरिकी बाजारों से मांग का समर्थन प्राप्त आ।

इसमें कहा गया है कि पहली तिमाही में झींगा का निर्यात मूल्य साल-दर-साल 18 प्रतिशत बढ़कर 2.43 अरब डॉलर हो गया। यह वृद्धि शिपमेंट मात्रा में 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हुई, जो 3.48 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। इस वृद्धि में मुख्य योगदान गैर-अमेरिकी बाजारों का रहा, जिनका निर्यात मूल्य में 86 प्रतिशत योगदान रहा। वित्त वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों के दौरान गैर-अमेरिकी गंतव्यों को निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.06 अरब डॉलर की तुलना में साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़कर 1.38 अरब डॉलर हो गया। यह बदलाव भारतीय निर्यातकों द्वारा नए और पहले कम सुलभ वैश्विक बाजारों में रणनीतिक विस्तार को दर्शाता है।

परिणामस्वरूप, कुल झींगा निर्यात में गैर-अमेरिकी बाजारों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 के 51 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 57 प्रतिशत हो गई। झींगा पर लगा 58 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ अप्रैल और

अगस्त 2025 के बीच, अमेरिका को भारतीय झींगा शिपमेंट पर प्रभावी टैरिफ औसतन लगभग 18 प्रतिशत था, जबकि प्रमुख प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर और इंडोनेशिया के लिए यह 13-14 प्रतिशत था। अगस्त के बाद, भारतीय झींगा पर प्रभावी शुल्क बढ़कर लगभग 58 प्रतिशत हो गया, जबकि प्रतिस्पर्धी देशों को 18-49 प्रतिशत के बीच शुल्क का सामना करना पड़ा।

चीन बना रहा सबसे बड़ा खरीदार

गैर-अमेरिकी गंतव्यों में, चीन सबसे बड़ा खरीदार बना रहा, जहां निर्यात में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जापान, जो पहले मुख्य रूप से री-प्रोसेसिंग हब के तौर पर काम करता था, स्थिर आयात स्तर बनाए हुए है। वहीं वियतनाम की री-एक्सपोर्ट क्षमता और मजबूत हुई, जहां भारतीय निर्यात दोगुना बढ़कर 0.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बेल्जियम को निर्यात भी दोगुना होकर 0.14 अरब डॉलर हो गया। यूरोपीय संघ की बेहतर मांग और भारतीय निर्यातकों द्वारा ट्रेसबिलिटी मानकों का सख्ती से पालन करने से इस वृद्धि को समर्थन मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी बाजार से लगातार दबाव और कमजोर नए ऑर्डरों के कारण वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही में निर्यात की गति धीमी हो सकती है। हालांकि नए बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयासों और यूरोपीय संघ और रूस को निर्यात करने वाली भारतीय इकाइयों के लिए मंजूरी में वृद्धि से उद्योग को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

जीवन बीमा मतलब शुद्ध सुरक्षा

टर्म इंश्योरेंस की मांग बढ़ी, जीएसटी छूट से प्लान हुए सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 महामारी ने लोगों को सिखाया है कि किसी अनहोनी में परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बीमा कवरेज जरूरी है। नई कर व्यवस्था (जिसमें धारा 80सी जैसी छूट खत्म हो गई) ने टैक्स छूट के आधार पर जीवन बीमा खरीदने को गैर-जरूरी और कम लाभप्रद बना दिया। हाल ही में, जीएसटी से मिली पूरी छूट ने भी जीवन बीमा पॉलिसी की लागत कम कर दी है। टैक्स शून्य होने से, टर्म इंश्योरेंस अधिक किफायती बन गया है, जो बिना किसी मैच्योरिटी मूल्य के शुद्ध सुरक्षा या मृत्यु लाभ देता है। टर्म इंश्योरेंस की तेज मांग के कारण अक्तूबर 2025 में सभी बीमा कंपनियों का न्यू बिजनेस प्रीमियम सालाना आधार पर 12.1 फीसदी बढ़कर 34,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

अजलन शाह कप

अजलन शाह कप में भारत का जीत से आगाज, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाए मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला और वह जीत का सूत्रधार बना। मोहम्मद राहील के पहले क्वार्टर में किए गए इकलौते गोल की बदौलत युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने रविवार को सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाए मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता

खोला। भारत की जीत में टीम के मिडफील्ड में दबदबे का मुख्य योगदान रहा जिसका श्रेय अभिषेक और टीम के कप्तान संजय को जाता है। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। भारतीय खिलाड़ियों ने दोनों ओर से लगातार आक्रमण कर कोरिया की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। मैच के चौथे मिनट में ही टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन संजय उसे गोल में बदलने में नाकाम रहे। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने इससे पहले 2019 में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। तब टीम फाइनल में कोरिया से हारकर उपविजेता रही थी। कोरिया ने दूसरे क्वार्टर में वापसी के लिए जोर लगाया और टीम को इसका फायदा 27वें मिनट में मिला। उनके अग्रिम पंक्ति का एक खिलाड़ी गेंद के साथ भारतीय गोल पोस्ट के पास पहुंचने में सफल रहा लेकिन डाइव लगाकर प्रयास करने के बाद बावजूद वह इसे गोल में नहीं बदल पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद बेहतर सामंजस्य दिखाया और आखिरी दो क्वार्टर में कोरिया को ज्यादा मौके नहीं दिये। इस दौरान टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन अभिषेक का प्रयास गोल से दूर रहा। इस मुकाबले को भारतीय समयानुसार दोपहर डेढ़ बजे शुरू होना था लेकिन बारिश के कारण मैच छह घंटे की देरी से शुरू हुआ। भारत सोमवार को बेल्जियम से भिड़ेगा। राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों से एक-एक बार खेलेगी, जिसमें विजेता को तीन अंक मिलेंगे और ड्रॉ पर एक अंक मिलेगा।

स्पिनर तारिक की हैट्रिक

पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंचा

रावलपिंडी, एजेंसी। रहस्यमयी स्पिनर उस्मान तारिक की हैट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 69 रन से हराकर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश कर लिया। तारिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिए जिससे ज़िम्बाब्वे 19

ओवर में 126 रन पर आउट हो गया। पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टूर्नामेंट की तीसरी टीम श्रीलंका है। ज़िम्बाब्वे के लिए रयान बर्ल ने 49 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने रिचर्ड नगारवा (05) के साथ आखिरी विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। इससे पहले बाबर आज़म (74) और साहिबज़ादा फरहान (63) के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 195 रन बनाए। फखर ज़मां ने आखिरी क्षणों में 10 गेंदों पर नाबाद 27 रन की पारी खेली।

क्रिकेट फॉर ब्लाइंड:

नेपाल को हराकर भारत ने जीता पहला महिला टी-20 वर्ल्ड कप

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया। इसी के साथ भारत ने पहला महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड जीतकर इतिहास रच दिया है। कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला करते हुए भारत ने नेपाल को 20 ओवर में 114/5 रन पर रोक दिया। नेपाल ने 2.2 ओवर में कप्तान बिनीता पुन का विकेट गंवाया।

बिनीता 9 गेंदों में 5 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मीनाक्षी चौधरी ने सुषमा तमांग के साथ दूसरे विकेट के लिए 15 रन जोड़े। मीनाक्षी चौधरी टीम के खाते में 8 रन जोड़कर पवेलियन लौटीं। टीम ने 30 के स्कोर पर सुषमा (6) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से बिमला रानी ने सरिता घिमिरे के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। बिमला 26 गेंदों में इतने ही रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सरिता ने 38 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए।

भारत की तरफ से बी1 जमुना रानी टुडू और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में भारत ने 12.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम करते हुए खिताब जीता। भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। इस टीम ने 5 के स्कोर पर बी2 अनेका देवी (2) का विकेट गंवा दिया था। यहां से बी1 करुणा ने कप्तान बी3 दीपिका के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। दीपिका 6 रन बनाकर आउट हुईं। करुणा ने बी3 फुला सरेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाते हुए भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। करुणा 27 गेंदों में 42 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से फुला सरेन ने बी2 बसंती हांसदा के साथ अटूट साझेदारी करते हुए भारत को आसान जीत दिलाई।

फुला 27 गेंदों में 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि बसंती ने 13 रन टीम के खाते में जोड़े। नेपाल की तरफ से बी3 दिल्लीसरा धमाला ने 1 विकेट निकाला। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए समेत छह टीमों का यह टी20 टूर्नामेंट 11 नवंबर को नई दिल्ली में शुरू हुआ था।

भारत पहली पारी में 201 रन पर ढेर

● द. अफ्रीका ने बनाई 288 रन की बढ़त ● दूसरी परी में द. अफ्रीका ने 26 रन बनाए

नई दिल्ली। माकर यानसन (6 विकेट) और साइमन हार्मर (3 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को लंच के बाद भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया, दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका ने बिना विकेट खोए 26 रन बना लिये थ।

लंच के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर कर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। कुलदीप यादव ने 134 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 19 रन बनाए। इसके बाद यानसन ने 84वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जसप्रीत बुमराह (पांच) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउटकर कर 201 के स्कोर पर भारत की पहली पारी का अंत कर दिया।

भारतीय टीम की शुरूआत तो अच्छी रही थी, जब राहुल और जायसवाल ने अर्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन इसके बाद उनका कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। माकर यानसन की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजो को कोई भी मौका नहीं दिया। कुलदीप और वॉशिंगटन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी जरूर हुई, लेकिन वह नाकाफी रही। इससे पहले झटकों से उबरते हुए वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 33) और कुलदीप यादव (नाबाद 14) ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए भोजनकाल तक भारत का स्कोर सात विकेट पर 174 रन पहुंचा दिया।

टी ब्रेक के बाद माकर यानसन ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर जवाब हमले का प्रयास कर रहे कप्तान ऋषभ पंत (सात) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यानसन ने नीतीश कुमार रेड्डी (10) और रवींद्र जडेजा (छह) को आउट कर भारत को संकट में डाल दिया। ऐसे संकट के समय वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने मोर्चा संभाला और जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन बटोरे। इससे पहले दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का पहला सत्र यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की अच्छी शुरुआत के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के नाम रहा। साइमन हार्मर (दो विकेट) की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने चायकाल तक भारत के 102 के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली।

भारत ने आज यहां कल के बिना कोई विकेट खोए नौ रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। इसी दौरान यशस्वी ने 85 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। 22वें ओवर में केशव महाराज ने केएल राहुल को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। केएल राहुल ने 63 गेंदों में दो चौकों की मदद से 22 रन बनाये। इसके बाद 33 वें ओवर में साइमन हार्मर ने यशस्वी जायसवाल को माकर यानसन के हाथों कैच आउटकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई।

यशस्वी जायसवाल ने 97 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 58 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। 35वें ओवर में हार्मर ने साई सुदर्शन (15) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में यानसन ने ध्रुव जुरेल (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए राहुल होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से होने जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 23 नवंबर (रविवार) को हुई. इस वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल संभालते नजर आएंगे. नियमित कप्तान शुभमन गिल नेक इंजरी के चलते सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे, वहीं श्रेयस अय्यर भी इंजरी के कारण अभी कुछ महीनों तक क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहने वाले हैं. इसी वजह से विकेटकीपर बल्लेबाज राहुल को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है. भारतीय टीम ने आखिरी ओडीआई सीरीज पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की धरती खेली थी. तब शुभमन गिल अगुवाई में टीम इंडिया को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम का हिस्सा रहे चार खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी ओडीआई सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे. इनमें शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज शामिल हैं. शुभमन और श्रेयस का चोट के चलते बाहर रहना तय था. वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत रेस्ट दिया गया है. जबकि बाएं हाथ के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ड्रॉप हुए. ऋतुराज-तिलक की लंबे समय बाद वापसी इन चारों के स्थान पर ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत को वनडे टीम में चुना गया है. ऋतुराज ने भारत के लिए आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 19 दिसंबर 2023 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही गकेबरहा में खेला था.

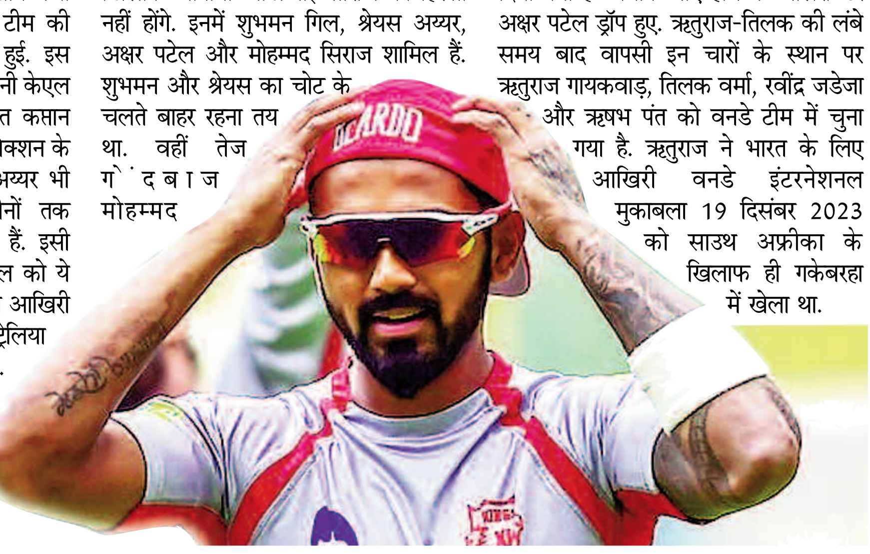

प्रांजलि ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता स्वर्ण

बधिर ओलंपिक में अपने नाम किया तीसरा पदक

टोक्यो, एजेंसी। प्रांजलि का टोक्यो में हो रहे बधिर ओलंपिक में यह तीसरा पदक है। इससे पहले वह अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम कर चुकी हैं। प्रांजलि प्रशांत धूमल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। प्रांजलि का टोक्यो में हो रहे बधिर ओलंपिक में यह तीसरा पदक है। इससे पहले वह अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम कर चुकी हैं। यूक्रेन की मोसिना हलिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में किया था प्रवेश

भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। रविवार को अभिनव देशवाल ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जो बधिर ओलंपिक की निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत का 15वां पदक था।

डेफलिंपिक्स 2025

डेफलिंपिक्स में चमका भारत

25 मीटर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनल में अभिनव ने शुरुआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले पांचों शॉट्स में सटीक निशाना लगाया और दूसरी सीरीज में चार हिट किए। इसके बाद उन्होंने अगले 20 में से 18 शॉट्स लक्ष्य पर लगाए, जिनमें दो बार पांचों के पांच हिट शामिल रहे। अंतिम दौर में उन्होंने तीन हिट किए, जो उनका सबसे कम स्कोर था, लेकिन तब तक बढ़त इतनी मजबूत थी कि स्वर्ण पदक पक्का हो गया। भारत के निशानेबाज अभिनव देशवाल ने रविवार को डेफलिंपिक्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने क्वालिफिकेशन में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए फाइनल में भी शानदार खेल दिखाया और कुल 44 अंक के साथ पहले स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के सियुंग ह्वा ली 43 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि यूक्रेन के सेरही फॉरमिन ने कांस्य पदक जीता। भारत के दूसरे प्रतिभागी चेतन हनमंत सपकाल पांचवें स्थान पर रहे।

पैट कमिंस को लेकर कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दिया अपडेट

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले पैट कमिंस पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को लगता है कि कमिंस का रिहैबिलिटेशन पूरा होने वाला है। हालांकि, कोच ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि ब्रिस्बेन में दूसरे एशेज टेस्ट में कमिंस के खेलने पर आखिरी फैसला कुछ समय बाद लिया जाएगा। पैट कमिंस सोमवार के बजाय मंगलवार को अपना बॉलिंग सेशन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर जल्द ही उनकी वापसी की तैयारी पर चर्चा करने वाले हैं। अगर कमिंस ब्रिस्बेन टेस्ट में वापसी करते हैं और मैच पूरे पांच दिन चलता है, तो भी एडिलेड में तीसरा टेस्ट खेले जाने तक उन्हें एक हफ्ते से ज्यादा दिनों का आराम मिलेगा। कोच

एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'ऐसा लग रहा था कि पैट कमिंस अपने रिहैबिलिटेशन के पूरा होने के करीब हैं। उनकी गेंदों में गति थी। कमिंस के साथ काफी सकारात्मक चीजें हैं। इस टेस्ट मैच से पहले उनकी वापसी पर चर्चा होगी। हो सकता है कि यह हमारे लिए देरी से हो। उन्हें थोड़ा काम करना है, लेकिन वह वापसी के करीब हैं। ' इस बीच तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। मैकडोनाल्ड ने एशेज में उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है। कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हेजलवुड अपने रिहैब के पहले हफ्ते में हैं। एक बार जब वह फिट हो जाएंगे, तो हम उनकी वापसी के बारे में बताने की स्थिति में होंगे।

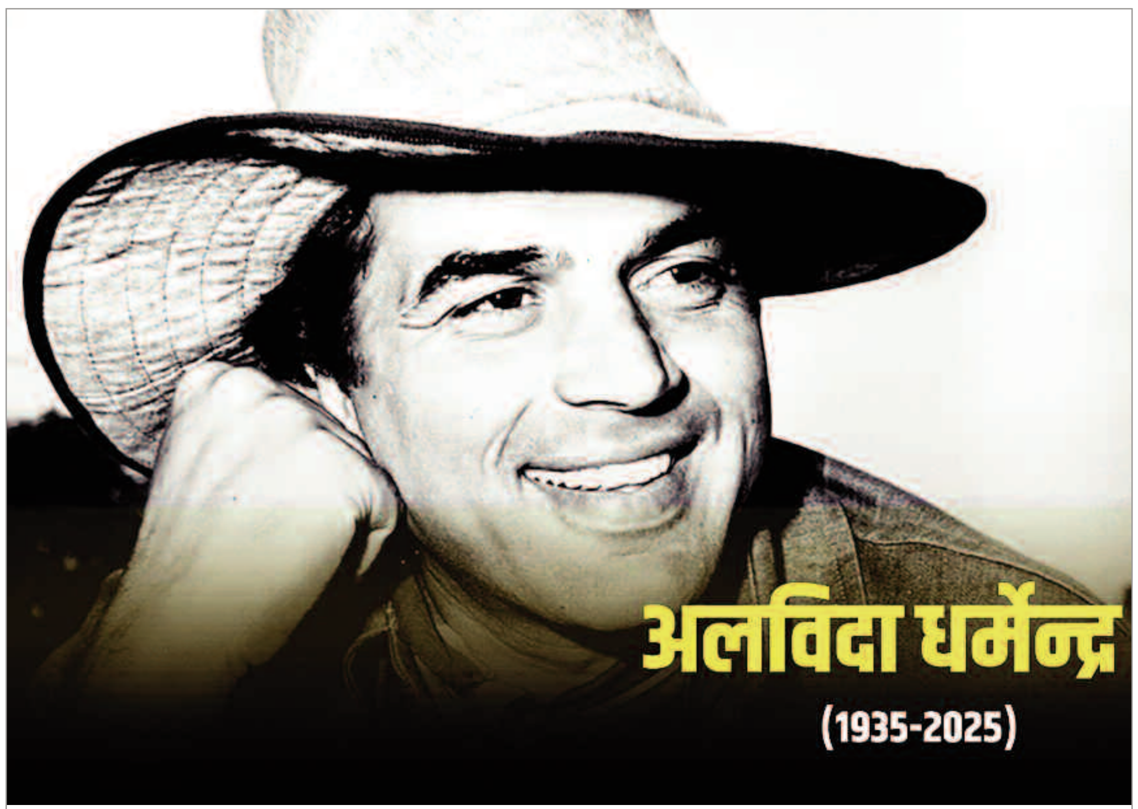

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन

‘ही-मैन’ को अंतिम विदाई देने अमिताभ बच्चन के साथ ही उमड़ा पूरा बॉलीवुड

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन पूरे बॉलीवुड के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। 89 साल की उम्र में धर्मेंद्र ने सोमवार दोपहर अपने घर में अंतिम सांस ली। उनकी मौत से न सिर्फ उनका परिवार बल्कि पूरा सिनेमा जगत सदमे में है। मुंबई के विले पार्ले श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है, जहां उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए बॉलीवुड के कई स्टार्स पहुंचे। धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी अपने पति को अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान घाट पर पहुंची। बेटी ईशा देओल भी अपने पिता के अंतिम दर्शन करने के लिए श्मशान घाट आईं। ईशा के चेहरे पर पिता को खोने का दुख साफ दिखाई दे रहा था और उनकी आंखों में आंसू थे। धर्मेंद्र के पोते करण देओल भी अपने दादा को अंतिम विदाई देने के लिए वहां पहुंचे।

बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स भी धर्मेंद्र को अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान घाट पहुंचे। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन और नाती अगस्त्य नंदा के साथ श्मशान पहुंचे। आमिर खान भी वहां नजर आए। धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने के लिए विद्या बालन के पति सिद्धार्थ रॉय कपूर भी श्मशान घाट पहुंचे। संजय दत्त ने भी धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे।

बॉलीवुड के खिलाड़ी कहे जाने वाले अक्षय कुमार को भी धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में देखा गया। सुपरस्टार सलमान खान भी नम आंखों के साथ उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान घाट पहुंचे। इसके अलावा, अभिनेता जायेद खान, फिल्म निर्माता सलीम खान और अभिनेत्री शबाना आजमी भी धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

अभी भी बॉलीवुड हस्तियों का आने का सिलसिला जारी है। एक के बाद एक सभी नम आंखों और दुखी मन के साथ धर्मेंद्र को अंतिम विदाई देने पहुंच रहे हैं। श्मशान घाट का माहौल बेहद भावुक और संवेदनशील हो गया है। बड़ी संख्या में आम लोग भी श्मशान घाट के सामने पहुंचे हैं। ऐसे में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मनोज बाजपेयी ने कर दिया कंफर्म

‘द फैमिली मैन’ का चौथा सीजन, बोले- जल्दी मिलते हैं

मनोज बाजपेयी एक बार फिर से श्रीकांत तिवारी के रोल में लौट आए हैं. 21 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर ‘द फैमिली मैन 3’ रिलीज हुई है. जहां एक तरफ कुछ लोगों को ये सीजन पसंद आ रहा है तो वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें इसका क्लाइमैक्स पसंद नहीं आ रहा है. सोशल मीडिया पर एक यूजर ने मनोज बाजेपयी से इसी लेकर शिकायत की, जिसका जवाब देते हुए मनोज ने ‘द फैमिली मैन 4’ कंफर्म कर दिया है. एक यूजर ने लिखा, ‘पूरे दिन में ‘द फैमिली मैन’ का सीजन 3 देखकर खत्म किया. और आप लोगों ने इसे ऐसे क्लिफहैंगर मोड़ पर छोड़ दिया. कम से कम हमें तो बता दो कि क्या सीजन खत्म हो गया है या आप लोग बाकी एपिसोड बाद में जारी करेंगे? वैसे शानदार काम के लिए बधाई. ‘

मनोज बाजपेयी ने क्या कहा?

इस यूजर को जवाब देते हुए मनोज बाजपेयी ने लिखा, ‘सबका जवाब चौथे सीजन में होगा. जल्दी मिलते हैं.’ मनोज के इस जवाब से कंफर्म हो गया है कि आने वाले समय में हमें ‘द फैमिली मैन 4’ देखने को मिलेगा और उसमें कहानी तीसरे सीजन से आगे बढ़ेगी. हालांकि, चौथा सीजन कब तक आएगा अभी तक इसको लेकर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है.

’इच्छाधारी नाग’ बन छाए Kartik Aaryan, अब संभालेंगे ‘मुन्ना भाई’ MBBS की कमान!

क्या संजय दत्त की ले पाएंगे जगह?

बॉलीवुड के चार्मिंग एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं. बता दें कि, एक्टर के पास पहले ही तीन बड़ी फिल्में लाइन में हैं, इसी बीच खबर है कि उनके हाथ एक और फिल्म लगी है.

बॉलीवुड के चार्मिंग एक्टर कार्तिक आर्यन के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं. हाल ही में एक्टर ने अपने 35वें जन्मदिन के मौके पर अपनी अपकमिंग फिल्म ‘तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी’ का टीजर रिलीज किया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया. लेकिन कार्तिक आर्यन के लिए खुशियों का सिलसिला यहीं नहीं थमा है. उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में अब एक और नाम शामिल हो गया है. हाल ही में एक ऐसी खबर सामने आई है, जिससे कार्तिक आर्यन एक बार फिर से सुर्खियों में छा गए हैं. दरअसल, खबर यह है कि एक्टर के हाथ एक नया और मजेदार प्रोजेक्ट लगा है.

फेमस प्रोड्यूसर महावीर जैन और टैलेंटेड डायरेक्टर मृगदीप सिंह लांबा मिलकर कार्तिक को एक हाई-कॉन्सेप्ट कॉमेडी फिल्म ऑफर करने वाले हैं. उससे भी हैरानी की बात यह है कि, यह फिल्म ‘मुन्ना भाई एमबीबीएस’ और ‘लगे रहो मुन्ना भाई’ जैसी आइकॉनिक फिल्मों की तरह ही सामाजिक मैसेज देने वाली होगी, लेकिन पूरी तरह कॉमेडी के अंदाज में. रिपोर्ट में बताया गया है कि, महावीर जैन और मृगदीप सिंह लांबा इस वक्त कार्तिक आर्यन के साथ उनकी अपकमिंग फिल्म ‘नागजिला’ पर काम कर रहे हैं .

120 बहादुर की कहानी को फरहान और उनकी टीम ने शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा : गजराज राव

सन 1962 में हुए भारत-चीन के युद्ध पर बनी हालिया रिलीज फिल्म ‘120 बहादुर’ को दर्शकों के साथ ही फिल्म जगत के तमाम सितारों से तारीफ मिल रही है। तारीफ करने वालों की लिस्ट में एक्टर गजराज राव का नाम भी जुड़ चुका है। अभिनेता ने फिल्म ‘120 बहादुर’ की तारीफ करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया। फिल्म की जमकर तारीफ करने के साथ उन्होंने मेजर शैतान सिंह और उनके 120 वीर सैनिकों की पलटन को शत-शत नमन किया। गजराज राव ने फिल्म के एक पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, ‘मेजर शैतान सिंह और उनकी वीर पलटन को शत-शत नमन। फरहान और उनकी टीम ने सन 1962 की इस लड़ाई को बेहद मेहनत और सच्चाई के साथ बड़े पर्दे पर उतारा है। फिल्म और टीम को शानदार बताते हुए उन्होंने दर्शकों से भी ‘120 बहादुर’ को देखने की अपील की। उन्होंने अपील करते हुए कहा, ‘’120 बहादुर’ को एक बार जरूर देखिए!’ फिल्म ‘120 बहादुर’ 1962 में भारत-चीन के बीच लद्दाख की रेजांग ला चोटी पर हुए ऐतिहासिक युद्ध पर आधारित है, जिसमें अहिर कंपनी की 120 बहादुर सैनिकों ने 3000 से अधिक चीनी सैनिकों का मुकाबला करते हुए देश की रक्षा की थी। इस युद्ध में मेजर शैतान सिंह को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट और रितेश सिधवानी के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है। फिल्म में मेजर शैतान सिंह की भूमिका में फरहान अख्तर हैं।

वहीं, अभिनेत्री राशि खन्ना मेजर की पत्नी शगुन कंवर के किरदार में हैं। फिल्म ‘120 बहादुर’ एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैपी स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

अक्षय की मां का रोल करने पर का पछतावा

शेफाली शाह बोलीं- अपनी कब्र खोदी, अमिताभ बच्चन ने दिया था सुझाव, पति विपुल शाह ने किया था इनकार

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म वक्त में शेफाली शाह ने 6 साल बड़े एक्टर अक्षय कुमार की मां का किरदार निभाया था, जिस पर एक्ट्रेस ने पछतावा जाहिर किया है। शेफाली ने बताया है कि अमिताभ बच्चन ने उनके पति और इस के डायरेक्टर विपुल शाह को शेफाली को कास्ट करने का सुझाव दिया था। हालांकि शेफाली के पति नहीं चाहते थे कि वो ये रोल करें। इंटरव्यू में शेफाली से फिल्म वक्त में हुई उनकी कास्टिंग पर सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या ये उनके करियर का सेटबैक था।

इस पर शेफाली ने कहा- ‘बिल्कुल’। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पति ने उनसे ये करवाया था। इस पर शेफाली ने कहा- ‘नहीं, उन्होंने मुझसे कहा था कि ये मत करना। अमित जी (अमिताभ बच्चन) ने उन्हें सलाह दी थी कि आप शेफाली को इस रोल के लिए तैयार क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा था, नहीं, मुझे नहीं लगता कि उस पर जमेगा।’ आगे शेफाली ने कहा, ‘एक दिन मैंने अपने बालों में पाउडर डाला और कहा कि देखो, मैं बूढ़ी और मैच्योर लग रही हूं। उन्होंने (विपुल शाह) ने कहा, मैंने तुमसे कहा था कि तुम ये मत करो। लेकिन मैंने कहा, नहीं मुझे करना है। मैंने अपनी ही कब्र खोदी। शेफाली शाह ने बातचीत में कहा है कि इस फिल्म के बाद एक अच्छे रोल के लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने ये भी कहा कि ऐसी एक-दो फिल्मों के अलावा उन्हें अपने करियर की फिल्मों पर गर्व है, जिनमें गांधी माय फादर, द लास्ट लियर, वन्स अगेन, थ्री ऑफ अस जैसी फिल्में भी शामिल हैं। बता दें कि शेफाली शाह इन दिनों पॉपुलर सीरीज दिल्ली क्राइम के तीसरे सीजन में नजर आ रही हैं। ये सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स में रिलीज हुई है, जिसमें हुमा कुरैशी भी अहम किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज के पिछले 2 सीजन बेहद हिट रहे हैं।

उदयपुर की शादी में किया परफॉर्म, यूजर्स बोले- शर्मनाक

निशाने पर सिंगर जेनिफर लोपेज?

उदयपुर में हुई एक रॉयल वेडिंग काफी चर्चा में है। एक अरबपति की बेटी की शादी में जहां कई नामी बॉलीवुड सेलेब्स ने परफॉर्म किया, वहीं हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने भी अपनी परफॉर्मेंस से समां बांध दिया। लेकिन सोशल मीडिया पर अब जेनिफर ट्रोल हो रही हैं। आखिर डांस परफॉर्मेंस के दौरान ऐसा क्या था, तो यूजर्स को खटक गया।

हिट गानों पर किया परफॉर्म

हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने अपने हिट गानों पर उदयपुर की शादी में परफॉर्म किया। वह स्टेज पर गाना गा रही थीं और डांस भी कर रही थीं। शादी में मौजूद लोग उनकी परफॉर्मेंस को पसंद कर रहे थे।

लेकिन सोशल मीडिया पर अलग ही स्थिति देखने को मिलीं। वह इस डांस परफॉर्मेंस के बाद काफी ट्रोल हुईं।

आउटफिट पर यूजर्स ने किए सवाल

जेनिफर लोपेज ने शादी में जब परफॉर्मेंस दी तो उन्होंने ऐसे आउटफिट पहने तो जो काफी बोल्ड थे। यही बात सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आई।

कई यूजर्स ने कहा कि वह जेनिफर के फैन है लेकिन इंडिया में उन्हें डिसेंट आउटफिट पहनना चाहिए था। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ‘शर्मनाक।’ एक अन्य यूजर्स ने लिखा, ‘शादी के लिए सही आउटफिट नहीं है।’ इसी तरह के कमेंट यूजर्स ने जेनिफर के आउटफिट को लेकर किए।

Palak ने टाइट शिमरी गाउन में ढाया कहर

● कातिलाना अदाएं देख फैंस का खुला का खुला रह गया मुंह

एक्ट्रेस पलक तिवारी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह है, उनका ग्लैम स्ट्रीम फेस्ट 2025 में ग्लैमरस अवतार जिसने इवेंट की पूरी लाइमलाइट ही लूट ली. तस्वीरे दिल चुरा लेंगी. एक्ट्रेस पलक तिवारी ने ग्लैम स्ट्रीम फेस्ट 2025 में आते ही सारी लाइमलाइट अपनी ओर खींच ली.

25 साल की पलक ने जैसे ही रेड कार्पेट पर कदम रखा, कैमरों की फ्लैश लाइट्स उन पर थम गई. श्वेता तिवारी की तरह पलक भी अब इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं और उनका स्टाइल हर बार चर्चा का विषय बन जाता है. इस बार पलक ने वियतनामी ब्रांड Phan Huy के फॉल विंटर 2026 कॉउचर कलेक्शन का स्ट्रैपलेस गाउन पहना.

यह गाउन अपनी डिजाइनिंग और फैब्रिक की वजह से खास नजर आया. ऑर्गेंजा जैसे हार्ड फैब्रिक से बना यह आउटफिट वॉक करते समय लहरों की तरह मूव करता दिखा. ब्राउन, कॉपर और गोल्डन के कई शेड्स एक साथ मिलकर इस ड्रेस में खूबसूरत इल्युशन क्रिएट करते नजर आए. किनारों पर लगे कॉपर, गोल्डन और सिल्वर स्टोन्स इसकी शाइन को और भी बढ़ा रहे थे.

साभार एजेंसी

47 साल की उम्र में शादी के बंधन में बंधे Sandeep Baswana

23 साल बाद Ashlesha Savant संग रिश्ते पर लगाई मुहर

जहां आज के समय में शादी जैसे पवित्र रिश्ते कागजी कार्रवाई बनकर रह गए हैं और साल-दो साल में ही टूटने की कगार पर पहुंच जाते हैं, वहीं टीवी इंडस्ट्री से एक ऐसी लव स्टोरी सामने आई है, जिसने रिश्तों पर से भरोसा खो चुके लोगों को फिर से उम्मीद दी है. दरअसल, टीवी इंडस्ट्री का सबसे पुराना और कमिटेड कपल आखिरकार मिस्टर एंड मिसेज बन गया है और ये कपल कोई और नहीं बल्कि, टीवी की पॉपुलर एक्ट्रे अश्लेषा सावंत और संदीप बसवाना है, जिन्होंने 23 साल की डेटिंग के बाद आखिरकार अब अपने रिश्ते पर शादी की मुहर लगा दी है.